दैनिक
उजाला संदेश
राष्ट्रधर्म सर्वोपरि

RNI No. MPHIN/2022/83759

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र | भोपाल, शनिवार 28 फरवरी, 2026 | वर्ष-04 | अंक-89 | पेज-08 | मूल्य-1.00/-

सुविचार

जीवन खोज की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सृजन की प्रक्रिया है।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में भीषण धमाका

- 10 से ज्यादा लोगों की मौत,कई घायल, फैक्ट्री में 20 लोग मौजूद थे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के वेटलापलेम गांव में शनिवार को पटाखा बनाने वाली यूनिट में धमाका हो गया। हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हैं। धमाके के समय यूनिट में करीब 20 कर्मचारी काम कर रहे थे। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है,

क्योंकि कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट कर कहा कि काकीनाडा जिले के वेटलापलेम गांव में हुए इस हादसे से वे व्यथित हैं। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, धमाके के समय यूनिट में लगभग 20 लोग मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने संबंधित मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी करने को कहा है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है।

राहुल गांधी का वित्त मंत्री सीतारमण को लेटर

- लिखा-एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम के लिए पर्याप्त बजट दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। उन्होंने सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों से जुड़े दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर हस्तक्षेप की मांग की है। 25 फरवरी 2026 को लिखे लेटर में राहुल ने एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (श्वष्ट॥स) के लिए

पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने और दिव्यांगता पेंशन पर लगाए गए नए आयकर प्रावधान को वापस लेने मांग की। राहुल ने लिखा है कि एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना है, लेकिन यह गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने देश की सेवा की, वे आज खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। इस लेटर एक कॉपी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी भेजी गई है। दरअसल, राहुल गांधी डिफेंस की पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य हैं। वे लगातार एक्स-सर्विसमेन के लिए सरकारी सुविधाएं बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब कोई दिव्यांग सैनिक सेवा में बने रहने का विकल्प चुनता है या उससे अनुरोध किया जाता है तो वह चोट के बावजूद निस्वार्थ भाव से भारत की सेवा करता है।

अमेरिका-इजराइल का एक साथ

ईरान के कई शहरों पर हमला

- ईरान का जवाबी अटैक-इजराइल पर 400 मिसाइलें दागीं
- कतर-बहरीन और यूएई में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हमला

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। इजराइल ने शनिवार सुबह (भारतीय समयानुसार) ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर हमला कर दिया। इसके जवाब में ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पलटवार करते हुए करीब 400 मिसाइलें दागीं हैं। ईरान ने इजराइल के अलावा कतर, बहरीन और श्व में मौजूद अमेरिकी बेस पर भी हमला किया है। दरअसल, इजराइल ने ईरान के खुफिया मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, सुप्रीम लीडर खामेनेई का ऑफिस और ईरान का परमाणु ऊर्जा संगठन को निशाना बनाया। हमले के बाद खामेनेई को सुरक्षित जगह शिफ्ट कर दिया गया है। इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम %लियोनस् रोर% (शेर की दहाड़) रखा है। वहीं अल जजीरा ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन है। यह हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर हमले की धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई का मकसद अमेरिका और उसके लोगों को खतरे से बचाना है। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

ईरान पर हमले से भारतीय छात्रों के माता-पिता परेशान

ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहमद मोमिन ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान में हमलों से वहां पढ़ रहे भारतीय छात्रों के माता-पिता परेशान हैं। मोमिन ने भारत सरकार से अपील की है कि ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकाला जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ छात्रों ने अपने पासपोर्ट ईरान में रहने की अवधि बढ़ाने के लिए जमा कराए थे और उन्हें यह पासपोर्ट जल्द वापस लौटाए जाने चाहिए। ईरान ने इजराइली हमले के जवाब में मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी बेस पर हमला करना शुरू कर दिया है। कतर और बहरीन के बाद ईरान ने UAE में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हमला किया है। श्व में अमेरिकी मिलिट्री बेस का नाम अल दाफ्रा एयर बेस है।

मुलाकात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके निवास स्थान पर सौजन्य मुलाकात की।

भारत की सीमाएं होंगी अभेद्य, बड़ी है तैयारी

- लद्दाख में बनेगी दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार रणनीतिक और सामरिक सुरंगों का जाल बिछाकर भारतीय सीमाएं अभेद्य बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर में बनने वाली ये सुरंगें न सिर्फ चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर भारत की सैन्य ताकत को दोगुना कर देंगी बल्कि हिमालय के सुदूर दुर्गम क्षेत्र में हर मौसम में सड़क संपर्क भी मुहैया कराएंगी। अन्य राज्यों की सुरंग परियोजनाएं सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देंगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार ने छह सुरंग परियोजनाओं की लंबित डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का कार्य फास्ट ट्रैक पर लाने के निर्देश दिए हैं।

महाराष्ट्र और केरल में भी सुरंग का निर्माण

सरकार सुरंग निर्माण में केवल हिमालय तक सीमित नहीं है। महाराष्ट्र की खमशेत-कासरघाट सुरंग का अपना महत्व है। महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में ट्रैफिक को सुचारू करने के लिए भी बड़ी योजना पर काम चल रहा है। मुंबई-पुणे और मुंबई-गोवा रूट पर घाट वाले रास्तों को खत्म कर सफर को तेज व सुगम बनाया जाएगा। दक्षिण भारत में नीलगिरी सब-वे सुरंग परियोजना वहां के लिए वरदान साबित होगी। केरल के वायनाड और मलप्पुरम के बीच कनेक्टिविटी के लिए पर्यावरण के अनुकूल सुरंग की योजना है।

पूर्वोत्तर में सुरंगों से सेना की आवाजाही आसान होगी

अरुणाचल के तवांग सेक्टर में स्मल्दर सुरंग सेना के भारी तोपखाने और मिसाइल सिस्टम को सैटेलाइट की नजरों से बचाकर एलएसी तक पहुंचाने में गेम-चेंजर साबित होंगी। इनका रूट फाइनल हो चुका है, वर्ष 2027 तक काम शुरू होगा। मणिपुर की मोरहे-थुइबुल सुरंग दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक और सैन्य आवाजाही को नई गति देगी। पूर्वोत्तर में मणिपुर मोरहे-थुइबुल सुरंग भारत के लुक ईस्ट और एशियन हाईवे प्रोजेक्ट का एक गुप्त लेकिन महत्वपूर्ण हिस्सा है। रणनीतिक महत्व वाली यह सुरंग पूर्वोत्तर में सेना की आवाजाही को सुगम बनाना। साथ ही, दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक मार्ग को छोटा करेगी।

हताई खेड़ा डैम में फिर अवैध मछली शिकार की आहट, रातों-रात सक्रिय हुआ नया गैंग

पहले कार्रवाई से थमा था खेल, अब दर्जनों गाड़ियों और कश्तियों से लाखों की मछली निकाले जाने की चर्चा

भोपाल। विवादित हताई खेड़ा डैम एक बार फिर सुर्खियों में है। डैम में अवैध रूप से मछली पकड़े जाने की खबरें दोबारा सामने आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, रात के अंधेरे में कश्तियों के जरिए बड़े पैमाने पर मछलियां निकाली जा रही हैं और दर्जनों गाड़ियां लोड होकर

डैम क्षेत्र से बाहर जाती देखी जा रही हैं। ज्ञात हो कि पूर्व में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो के हस्तक्षेप के बाद प्रशासन ने सख्ती बरती थी। उस समय अवैध मछली शिकार पर अंकुश लगा दिया गया था और लंबे समय से सक्रिय एक गैंग निष्क्रिय हो गया था।

सक्रिय हुआ नया गिरोह?- अब दूरभाष पर मिली सूचनाओं के मुताबिक, डैम क्षेत्र में एक नया गैंग सक्रिय हो गया है। बताया जा रहा है कि करीब एक दर्जन कश्तियां लगातार डैम में जाल डाल रही हैं और लाखों रुपए की मछली प्रतिदिन निकाली जा रही है। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि रात के समय डैम से मछलियों से भरी कई गाड़ियां बाहर निकलती हैं, लेकिन इस पर प्रशासन की नजर क्यों नहीं पड़ रही – यह बड़ा सवाल है।

प्रशासन कैसे करेगा नई चुनौती का सामना- पहले जिस तरह सख्ती से कार्रवाई कर अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई गई थी, अब वैसी ही सक्रियता की अपेक्षा की जा रही है। यदि वास्तव में नया गिरोह सक्रिय है, तो यह प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

अब देखना यह है कि संबंधित विभाग और जिला प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और डैम क्षेत्र में दोबारा कानून व्यवस्था स्थापित करने के लिए कौन-सी रणनीति अपनाई जाती है।

निशी शर्मा 'एम. जी. जॉर्ज मुथूट एक्सीलेंस गोल्ड मेडल' से सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 8वें दीक्षांत समारोह में कु. निशी शर्मा को 'श्री एम. जी. जॉर्ज मुथूट एक्सीलेंस गोल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान एम.बी.ए. (हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट) पाठ्यक्रम (सत्र 2023-25) में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर प्रदान किया गया। निशी शर्मा वार्ड नं. 13, सांची निवासी शिक्षिका विमला शर्मा की सुपुत्री हैं। यह सम्मान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया, जो 25 फरवरी 2026 (बुधवार) को आयोजित हुआ। गोल्ड मेडल विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली के वर्तमान लिएटनेन्ट गवर्नर (एलजी) द्वारा प्रदान किया गया। निशी शर्मा की इस उपलब्धि पर परिवार, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का वातावरण है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है।

बोत्सवाना से आए 9 चीते, कूनो में लगाई छलांग

- विशेषज्ञ बोले-जेनेटिक विविधता मजबूत होगी, देश में कुनबा बढ़कर हुआ 48

श्योपुर (एजेंसी)। एमपी के कूनो नेशनल पार्क में शनिवार सुबह 9 और चीते लाए गए। दक्षिण अफ्रीकी देश बोत्सवाना से 6 मादा और 3 नर चीता वायुसेना के विशेष विमान से पहले ग्वालियर, फिर हेलीकॉप्टर से कूनो नेशनल पार्क लाए गए। कूनो में अब चीतों का कुनबा 36 से बढ़कर 45 गया है। गांधी सागर अभयारण्य के तीन चीतों को मिलाकर देश में 48 चीते हैं।

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव सुबह विशेष विमान से ग्वालियर, फिर हेलीकॉप्टर के जरिए कूनो पहुंचे। सुबह करीब 9:20 बजे उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से क्रेट का हैंडल घुमाकर दो चीतों को क्वारंटीन बाड़े में रिलीज किया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई खेप में मादा चीतों की अधिक संख्या से कूनो में लिंगानुपात बेहतर होगा, जिससे भविष्य में प्राकृतिक प्रजनन की संभावनाएं और प्रबल होंगी।

जेनेटिक विविधता और संतुलन पर जोर

जानकारों के मुताबिक, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के बाद अब बोत्सवाना के चीतों के शामिल होने से कूनो में जेनेटिक विविधता और मजबूत होगी। कूनो में अब वयस्क चीतों की संख्या में 18 मादा और 16 नर शामिल हैं। सभी 9 चीतों को अगले एक महीने तक विशेष क्वारंटीन बाड़ों में विशेषज्ञों और डॉक्टरों की सख्त निगरानी में रखा जाएगा। तीन अलग-अलग देशों के चीतों का एक साथ होना इस प्रोजेक्ट की लंबी अवधि की सफलता के लिए निर्णायक साबित होगा।

- केंद्रीय मंत्री बोले-विविधता संरक्षण की एक ऐतिहासिक साझेदारी

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बोत्सवाना से लाए गए चीतों के कूनो नेशनल पार्क में रिलीज कार्यक्रम के दौरान कहा कि यह बोत्सवाना और भारत के बीच जैव विविधता संरक्षण की एक ऐतिहासिक साझेदारी है। उन्होंने कहा- बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की दिशा में कई देश साथ आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष पहल और प्रयासों से भारत में चीतों के प्रतिस्थापन की योजना पूरी तरह से सफल रही है। भारत में चीता प्रोजेक्ट को साढ़े तीन साल का समय हो गया है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है। वर्तमान में भारत में चीतों की संख्या 48 हो गई है। केंद्रीय वन मंत्री यादव ने कहा कि भारत के प्रयासों से विश्व में जैव विविधता संरक्षण के लिए काम किया जा रहा है। 97 देश इस मंच के सदस्य बन गए हैं। भारत में वर्ष 1952 में एशियाई चीतों के विलुप्त होने के बाद से ही चीतों को फिर से स्थापित करने की योजना चल रही थी। इसी उद्देश्य से सितंबर 2009 में राजस्थान के गजनेर में चीता विशेषज्ञों की एक बैठक की गई थी। बैठक में चीता संरक्षण कोष के डॉ. लोरी मार्कर, स्टीफन जेओ ब्रायन और अन्य विशेषज्ञों ने दक्षिण अफ्रीकी चीतों को भारत लाने की सिफारिश की थी।

नोडल मंत्रालय के मंत्री होने के बावजूद पट्टों के लिए तरस रहे बैतूल जिले के आदिवासी

जयस, समस्त आदिवासी संगठन और सर्व समाज संगठन के बैनर तले किसानों ने किया जोरदार आंदोलन

बैतूल। जिस जिले का प्रतिनिधित्व केंद्रीय जनजाति कार्य राज्य मंत्री करते हैं, उसी जिले में आदिवासियों के वनाधिकार दावे लंबित पड़े हों तो सवाल उठना स्वाभाविक है। भीमपुर में जयस, समस्त आदिवासी संगठन और सर्व समाज संगठन के बैनर तले किसानों ने इसी मुद्दे पर जोरदार आंदोलन कर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सीधा हमला बोला। वनाधिकार पट्टों से लेकर बिजली कटौती, ट्रांसफॉर्मर धोखाधड़ी, ताप्ती मेघा रिचार्ज, ढेंगना जलाशय परियोजना और अतिक्रमण तक, हर मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

जयस प्रदेश संयोजक जामवन्त सिंह कुमरे ने कहा कि केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उईके का मंत्रालय व्यक्तिगत और सामुदायिक वनाधिकार दावों का नोडल मंत्रालय है, जो वनाधिकार अधिनियम के तहत कानून संबंधी मामलों की निगरानी करता है और मासिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करता है।

तारांकित प्रश्न 949 के जवाब में मंत्री ने 5 फरवरी 2026 को 44,33,940 व्यक्तिगत और सामुदायिक दावे की बात बताई है, जो किसी एक प्रदेश के अधिकारो के बराबर है, जो सरकार की नीयत में खोट को दर्शाता है।

हजारों सामुदायिक वनाधिकार पट्टे लंबित- वहीं बैतूल जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर मुठवा देवस्थान, पेनकड़ा, खंडराई, श्मशान, गौठान और चरनोई भूमि के हजारों सामुदायिक वनाधिकार पट्टे लंबित हैं। उन्होंने कहा कि जब राज्य स्तरीय निगरानी समिति तिमाही बैठक कर सत्यापन और अंतरण की समीक्षा करती है, तब जिले में यह स्थिति प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाती है।

आंदोलन में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि ताप्ती मेघा रिचार्ज, ताप्ती कंजरवेशन रिजर्व, फायरिंग रेंज, अभयारण्य और खनिज उत्खनन के नाम पर आदिवासी भूमि पर दबाव बनाया जा रहा है।

लगातार बिजली कटौती से किसानों की फसलें प्रभावित- ढेंगना जलाशय परियोजना को लेकर भी विस्थापन की आशंका जताई गई। साथ ही भीमपुर क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती से किसानों की फसलें प्रभावित होने और विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होने की बात उठाई गई। ट्रांसफॉर्मर लगाने के नाम पर निजी ठेकेदारों द्वारा किसानों से अवैध वसूली और राशि लेकर फरार होने के आरोप लगाते हुए सख्त एफआईआर और कड़े कानून की मांग की गई।

आंदोलनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि वनाधिकार पट्टों और अन्य मांगों पर शीघ्र ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो भीमपुर से उठी यह आवाज बड़े आंदोलन में बदल सकती है।

वरिष्ठजनों के लिए आयुष विभाग ने लगाए होलिस्टिक वेलबीइंग कैंप, 600 से अधिक लोगों को मिला लाभ

उड़दन, जामठी और बडोरा में स्वास्थ्य शिविर आयोजित, आज सर्रा में लगेगा कैंप

बैतूल। संचालनालय आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के निर्देश पर आयुष विभाग जिला बैतूल द्वारा वरिष्ठजनों के लिए होलिस्टिक वेलबीइंग कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 26 फरवरी को मातोश्री वृद्ध आश्रम उड़दन तथा 27 फरवरी को सेवा भारती आनंद धाम वृद्ध आश्रम जामठी भारत भारती बैतूल में शिविर लगाए गए। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से वरिष्ठजनों को समग्र स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिसमें शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के संतुलन पर जोर दिया गया।

उड़दन में आयोजित शिविर में नोडल अधिकारी डॉ. ज्ञानेश्वर झरबड़े और सहायक नोडल डॉ. निधि मालवीय सहित 8 सदस्यीय टीम ने 28 वृद्धजनों का उपचार किया। योग शिक्षक परिषि पवार और सागर सिवनकर ने आवश्यक योगाभ्यास भी कराया। वहीं जामठी स्थित सेवा भारती आनंद धाम वृद्ध आश्रम में डॉ. शैलेंद्र कृष्ण तिवारी, डॉ. वीरेंद्र सिंह शाक्य और डॉ. वंदना शाक्य सहित टीम ने 46 वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर वृद्धावस्था में आवश्यक योग कराया। तितली चौक बडोरा स्थित सवरिया लॉन में भी नोडल अधिकारी डॉ. सरिता डेहरिया के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें विभाग के 11 कर्मचारियों ने सेवाएं दीं। योग प्रशिक्षक सतीश कुमार शैलू और योग सहायक कुसुम यादव ने योग अभ्यास कराया और इसके महत्व की जानकारी दी। इन सभी शिविरों में कुल 600 लाभार्थियों ने आयुष चिकित्सा और परामर्श का लाभ लिया। आयुष विभाग द्वारा अगला चिकित्सा शिविर 28 फरवरी को ग्राम सर्रा तहसील मुलताई स्थित मां कुलदेवी मंदिर परिसर में आयोजित किया जाएगा, जहां श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ के दौरान नागरिकों को उपचार और परामर्श दिया जाएगा। विभाग ने सभी नागरिकों से शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

मुलताई खुद की बेटी से दुष्कर्म के आरोपी ने पुलिस अभिरक्षा में फांसी लगाने का किया प्रयास, हालत गंभीर ICU में भर्ती

बैतूल। मुलताई क्षेत्र में नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के गंभीर मामले में गिरफ्तार आरोपी पिता ने शुक्रवार दोपहर 12.57 पर पुलिस अभिरक्षा के दौरान फांसी लगाने का प्रयास किया। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी को पूछताछ एवं कानूनी प्रक्रिया के तहत रखा गया था। इसी दौरान उसने कथित रूप से आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों की सतर्कता से तुरंत उसे नीचे उतारा गया और गंभीर अवस्था में भारी पुलिस बल के साथ जिला चिकित्सालय बैतूल ले जाया गया। बैतूल जिला चिकित्सालय को पुलिस ने छावनी में तब्दील कर दिया डॉक्टरों ने आरोपी की नाजुक हालत को देखते हुए उसे आईसीयू में भर्ती किया है। फिलहाल उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है और लगातार चिकित्सकीय निगरानी में उपचार जारी है।

गौरतलब है कि आरोपी के विरुद्ध नाबालिग पुत्री से दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना संवेदनशीलता से की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की सुरक्षा एवं उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है, साथ ही पूरे घटनाक्रम की विभागीय जांच भी की जाएगी। मामले ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी है।

गणेश चौक मंदिर के पास नाली ओवरफ्लो, सड़क पर फैला गंदा पानी

दीवानगंज। फैक्ट्री चौराहा दीवानगंज से लेकर रेलवे स्टेशन दीवानगंज सेमरा मार्ग पर स्थित गणेश चौक मंदिर के पास नाली ओवरफ्लो होने से सीवेज का गंदा पानी सड़क पर भर गया है। नाली का पानी लगातार सड़क पर फैलने से मार्ग पर कीचड़ और दुर्गंध फैल रही है, जिससे राहगीरों और आसपास के मोहल्ले के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नाली की नियमित सफाई नहीं होने के कारण यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। सड़क पर भरे गंदे पानी से पैदल चलने वालों, दुकानदारों और मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को खासा दिक्कत होती है। बदबू के कारण आसपास रहना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों व नागरिकों ने नगर पंचायत प्रशासन से मांग की है कि जल्द नाली की सफाई और मरम्मत कराई जाए, ताकि जलभराव और गंदगी की समस्या से राहत मिल सके।

वेलस्पन फाउंडेशन ने ग्राम देहरी में लगाया नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 127 ग्रामीणों की जांच

दीवानगंज। ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाने की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए वेलस्पन फाउंडेशन द्वारा ग्राम देहरी में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और निःशुल्क उपचार का लाभ लिया।

फाउंडेशन की जमीनी टीम के सहयोग से कुल 127 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर के दौरान 40 लोगों के रक्त नमूने की जांच की गई, जिसमें 5 मरीज शुगर (मधुमेह) तथा 3 मरीज एनीमिया से पीड़ित पाए गए। चिन्हित मरीजों को आवश्यक परामर्श व दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी, जुकाम, बुखार और दस्त से ग्रसित ग्रामीणों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। ग्रामीणों ने गांव स्तर पर आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर की सराहना करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी पहल बताया तथा भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में वेलस्पन फाउंडेशन की यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दीवानगंज क्षेत्र में ओवरलोड भूसे से भरे वाहन निकालने से लगता है बार-बार जाम, खतरों का रहता है अंदेशा

दीवानगंज। दीवानगंज-अंबाडी-सेमरा सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में इन दिनों ओवरलोड भूसे से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और छोटे मालवाहक वाहनों की आवाजाही तेज हो गई है। रोजाना निकल रहे इन भारी व ओवरलोड वाहनों के कारण मुख्य मार्गों और गांव के अंदरूनी रास्तों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है, जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि भूसा व्यापारियों द्वारा क्षमता से अधिक भूसा भरकर वाहन निकाले जा रहे हैं। कई जगह भूसे के गट्ठर सड़क के दोनों ओर लटकते रहते हैं, जिससे सामने से आने वाले वाहन चालकों को रास्ता नहीं मिल पाता। संकरी ग्रामीण सड़कों पर ऐसे वाहनों के गुजरने से जाम लग जाता है और बाइक व पैदल चलने वालों के लिए खतरा बढ़ जाता है।

विशेषकर सुबह और शाम के समय स्कूल जाने वाले बच्चों, खेत-खलिहान जाने वाले किसानों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि ओवरलोड वाहनों पर सख्ती की जाए, क्षमता से अधिक भूसा भरने वालों पर कार्रवाई हो तथा गांव के अंदर से भारी वाहनों की आवाजाही पर समयबद्ध प्रतिबंध लगाया जाए।

पीएचई विभाग की लापरवाही से दूषित पानी पीने को मजबूर हिवरखेड के ग्रामीण

जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े ने कलेक्टर से की शिकायत

बैतूल। प्रभात पट्टन ब्लाक के ग्राम हिवरखेड में हालात ऐसे बन गए हैं कि ग्रामीणों को मजबूरी में दूषित पानी पीना पड़ रहा है। पीएचई विभाग द्वारा ठेकेदार के माध्यम से चल रही नल-जल योजना अब सवालों के घेरे में है। गांव की मुख्य गलियों में वाल लगाने के लिए गहरे और लंबे गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए हैं, जिनमें नालियों का गंदा पानी जमा हो रहा है। आरोप है कि यही पानी पाइपलाइन के जरिए घरों के नलों तक पहुंच रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े ने कलेक्टर से शिकायत कर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत हिवरखेड में पाइपलाइन बिछाने का कार्य धीमी गति से चल रहा है। गांव के भीतर जगह-जगह वाल के लिए गड्ढे खोदे गए हैं, लेकिन उन्हें खुला छोड़ दिया गया है। इन गड्ढों में नालियों का गंदा और बदबूदार पानी जमा हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यही दूषित पानी पाइपलाइन में मिलकर घरों तक पहुंच रहा है, जिससे बीमारी फैलने की आशंका बढ़ गई है।

ग्रामीण कचरा घोटे ने बताया कि होली चौक स्थित उनके घर के पास पिछले एक माह से गड्ढा खोदा हुआ है। उस गड्ढे में लगे वाल के आसपास गंदा पानी भरा रहता है और वही पानी घरों के नलों में पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि गड्ढा गहरा और लंबा होने के कारण रात में दुर्घटनाएं हो रही हैं और छोटे बच्चों के गिरने का डर बना रहता है।

बार-बार सूचना, फिर भी नहीं हुई कार्रवाई- ग्रामीणों ने बताया कि पीएचई विभाग के इंजीनियर और संबंधित ठेकेदार को कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई। लगातार अनदेखी के बाद गांव के विभिन्न मोहल्लों के लोग शिकायत लेकर जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े के पास पहुंचे। जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचीं और स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि गांव में जगह-जगह खोदे गए गड्ढों में गंदा पानी जमा है और वही पानी नलों के माध्यम से घरों में पीने के लिए पहुंच रहा है, जिससे लोग बीमार हो सकते हैं। उन्होंने पीएचई विभाग के ई ई बघेल को भी अवगत कराया, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो कलेक्टर को शिकायत कर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मिल सके और संभावित स्वास्थ्य संकट को रोका जा सके।

दीवानगंज क्षेत्र में लंपी वायरस की दस्तक: मवेशियों में तेजी से फैल रहा संक्रमण, हाईवे पर बीमार पशु घूम रहे

दीवानगंज। रायसेन जिले के सांची विकासखंड अंतर्गत ग्राम दीवानगंज और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों मवेशियों में लंपी वायरस (लंपी त्वचा रोग) का प्रकोप तेजी से फैलता दिखाई दे रहा है। कई दिनों से गोवंश में इस बीमारी के लक्षण देखे जा रहे हैं, जिससे पशुपालकों में चिंता का माहौल है।

ग्रामीणों के अनुसार संक्रमित पशुओं के शरीर पर बड़ी संख्या में गांठें बन रही हैं, जो बाद में गहरे घाव का रूप ले लेती हैं। कई पशुओं को तेज बुखार, भूख न लगना, नाक बहना और आंखों से पानी आना जैसे लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं। समय पर उपचार न मिलने से पशुओं की मौत का खतरा बढ़ गया है।

हाईवे पर दिख रहे संक्रमित पशु- भोपाल-विदिशा हाईवे 18 पर बड़ी संख्या में आवारा और पालतू पशु लंपी वायरस से प्रभावित हालत में घूमते देखे जा सकते हैं। कुल्हाड़िया के पास एक बछड़े की इस बीमारी से पहले ही मौत हो चुकी है। पशुपालकों का कहना है कि सड़क किनारे संक्रमित पशुओं के झुंड खड़े रहते हैं, जिससे संक्रमण अन्य पशुओं में तेजी से फैलने की आशंका है।

मुआवजा नहीं, पशुपालक परेशान- पशुपालकों ने बताया कि लंपी वायरस से पशु की मौत होने पर किसी प्रकार का सरकारी मुआवजा प्रावधान नहीं है, जिससे आर्थिक नुकसान का पूरा भार ग्रामीणों पर ही पड़ता है। क्षेत्र के कई पशुपालक अपने बीमार पशुओं के इलाज के लिए भटक रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर पशु चिकित्सकीय सहायता नहीं मिल पा रही।

टीकाकरण लक्ष्य के बावजूद फैल रहा रोग- जानकारी के अनुसार एक वर्ष पूर्व देश के कई राज्यों में लंपी रोग फैलने के बाद पशुपालन विभाग ने बड़े पैमाने पर टीकाकरण का लक्ष्य तय किया था। इसके बावजूद दीवानगंज क्षेत्र में आवारा और बिना टीकाकरण वाले पशुओं में संक्रमण लगातार देखा जा रहा है, जिससे नियंत्रण चुनौतीपूर्ण बन गया है।

पशुपालकों की मांग- ग्रामीणों और पशुपालकों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल पशु चिकित्सा टीम क्षेत्र में भेज कर संक्रमित पशुओं का उपचार और अलगाव कराया जाएसाथ ही आवारा पशुओं का टीकाकरण अभियान चलाया जाए।

पशुपालकों का कहना है कि यदि समय रहते रोकथाम नहीं की गई तो यह संक्रमण पूरे क्षेत्र में पशुधन के लिए गंभीर संकट बन सकता है।

माइसम सीमेंट कंपनी द्वारा आयोजित इंटर विलेज वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य आगाज

पथरिया। माइसम सीमेंट कंपनी द्वारा आयोजित इंटर विलेज वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आज शानदार शुभारंभ हुआ। खेल भावना और क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में क्लस्टर हेड सुरेश दुबे उपस्थित रहे।

गणमान्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति

उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने शिरकत की, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे:

विशिष्ट अतिथि: सुंदर लाल विश्वकर्मा (अध्यक्ष, नगर पंचायत पथरिया), अमित मिश्रा (थाना प्रभारी, पथरिया)।

मनोज पटेल (लखरौनी), श्री अजीत पटेल (मिर्जापुर), धनीराम पटेल (सतापारा), श्द् पटेल (बिलानी), बाबू लाल पटेल (सूखा), गोविंद पटेल (खड़ेरी)।

अन्य अतिथि: सोहन राठौड़ (जनपद सदस्य), नंदकिशोर चौरसिया (समाजसेवी), हेमराज (पार्षद), सुजीत पटेल (महामंत्री, भाजपा युवा मोर्चा) एवं प्रभु दयाल (पार्षद)।

आज के मैचों के परिणाम

प्रतियोगिता के पहले दिन महिला और पुरुष दोनों वर्गों में कड़े मुकाबले देखने को मिले। आज संपन्न हुए मैचों के परिणाम इस प्रकार रहे:

महिला वर्ग: मिर्जापुर बनाम बोतराई: विजेता - बोतराई

पुरुष वर्ग:

ज्टीला बनाम पथरिया: विजेता - पथरिया
ज्केवलारी बनाम खड़ेरी: विजेता - केवलारी
ज्करैया बनाम हिंडोरिया: विजेता - करैया
ज्उमराही बनाम दमोह: विजेता - उमराही
ज्बिलानी बनाम सीताराम लखरौनी: विजेता - बिलानी
ज्मिर्जापुर बनाम खजरी: विजेता - खजरी
ज्सतपरा बनाम बनसौली: विजेता - बनसौली

कल का विशेष आकर्षण: राज्य मंत्री श्री लखन पटेल करेंगे शिरकत

कल, 28 फरवरी को प्रतियोगिता का उत्साह और भी बढ़ने वाला है। कार्यक्रम में *माननीय श्री लखन पटेल जी*(राज्य मंत्री, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, स्वतंत्र प्रभार)मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों से आए युवाओं का उत्साहवर्धन करेंगे। आयोजक समिति ने समस्त खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की अपील की है।

अजीत साहू बने अखिल भारतीय तेली महासभा मध्य प्रदेश के जिला उपाध्यक्ष

दमोह। अखिल भारतीय तेली महासभा मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल जी राठौर की सहमति से दमोह के अजीत साहू को जिला उपाध्यक्ष के पद पर सहर्ष मनोनीत किया गया है साथ ही उनके कार्यकाल में अग्रिम चुनाव तक प्रभारी बनाया गया है साथ ही उनसे आशा और विश्वास के साथ सच्ची निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ महासभा के भावी योजनाओं को कार्य रूप में परिणित करने में सक्रियता पूर्वक योगदान की अपेक्षा संगठन द्वारा की गई है और संगठन को गठित कर समाज में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने में योगदान की अपेक्षा भी की गई है....

अखिल भारतीय तेली महासभा के पदाधिकारीयों एवं दमोह जिले सहपाठियों ने अजीत साहू जी को मनोनयन पत्र के साथ प्राप्त पद की शुभकामनाएं एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

बारातियों से भरी कार पेड़ से टकराते गड्ढे में पलटी, एक की मौत, 5 घायल

पचोर/ब्यावरा, निप्र। पचोर थानान्तर्गत पानिया बायपास पर पेट्रोल पंप के पास देर शाम बारातियों से भरी आर्टिका स्टेयरिंग फेल होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 घायल हुए हैं। जिनमें से तीन की हालत अधिक गंभीर होने के कारण उनको शाजापुर अस्पताल रेफर किया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को पीएम के लिए पहुंचाने के साथ ही आसपास के रहवासियों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पानिया निवासी सतीश गोस्वामी का विवाह था। उसकी बारात पानिया से झाड़ पिपल्या के लिए रवाना हुई थी। इसमें कुछ बाराती आर्टिका वाहन क्रमांक एमपी 09 डब्ल्यूके 3888 से विवाह स्थल के लिए रवाना हुए थे। अभी गाड़ी पानिया बायपास पर पेट्रोल पंप के पास पहुंची ही थी कि उसका स्टेयरिंग फेल हो गया। वाहन चालक ने काफी संभालने की कोशिश की, लेकिन गाड़ी पेड़ से टकराते हुए हाइवे के समीप बने गड्ढे में जा गिरी। हादसे में राजेश गुर्जर पुत्र धीरज सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 5 लोग घायल हुए हैं।

जिला स्तरीय ओलिंपियाड सम्मान समारोह हुआ सम्पन्न

राजगढ़, निप्र। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार विगत दिवस कक्षा 2 से 8 के शासकीय शालाओं के बच्चो के लिए जनशिक्षा केंद्र स्तर की ओलिंपियाड प्रतियोगिता का आयोजन 18 नवंबर, 2025 में किया गया था, जिसके परिणाम पश्चात चयनित बच्चों के लिए जिला स्तरीय ओलिंपियाड प्रतियोगिता 17 एवं 18 जनवरी को आयोजित की गई।जिला स्तरीय प्रतियोगिता में राज्य स्तर के लिए चयनित कक्षा 2 से 8 के प्रत्येक विषय में प्रथम आए 32 बच्चों को जिला स्तर पर प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में उनके विषय शिक्षक और पालक अभिभावक को बुलाया गया। साथ ही शुक्रवार को डाइट राजगढ़ में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुविभागीय (राजस्व)अधिकारी श्रीमती निधि भारद्वाज रही। सहभागियों का पंजीयन कार्य श्रीमती विनीता सक्सेना,श्री गिरीश शर्मा और श्रीमती राजेश तोमर द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि श्रीमती भारद्वाज सहित डाइट प्राचार्य श्रीमती शीला पाटोदिया, डीपीसी श्री आर.के. यादव द्वारा मां सरस्वती पूजन से की गई। कार्यक्रम में छात्र माही, वेदांशी जायसवाल द्वारा अपनी ओलिंपियाड तैयारी और सफलता के बारे में सभी को बताते हुए अपने परिवार और शिक्षक को अपनी सफलता का श्रेय दिया।

एसपी ने देहात थाना प्रभारी रचना मिश्रा सहित दो चौकी प्रभारी हटाए, पुलिस अभिरक्षा से भागा था चोरी का आरोपी

दमोह। श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने गुरुवार देर शाम पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण की सूची जारी कर दी है। इस सूची में देहात थाना प्रभारी सहित दो चौकी प्रभारियों को हटाया गया है। यह कार्रवाई हाल ही में देहात थाना से पुलिस अभिरक्षा से चोरी के एक आरोपी के फरार होने की घटना के बाद हुई है। हालांकि एसपी ने इसे नियमित तबादला प्रक्रिया बताया है, लेकिन मामले में लापरवाही उजागर होने की बात भी स्वीकार की है।

अभिरक्षा से आरोपी फरार होने के बाद कार्रवाई- गौरतलब है कि 22 फरवरी की सुबह नकबजनी के आरोपी संतोष पटेल देहात थाना से पुलिस अभिरक्षा से चकमा देकर फरार हो गया था। घटना के बाद पुलिस ने उसकी तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन पांच दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी का कोई सुराग नहीं लग सका है। आरोपी पर 2 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था।

इस घटना को पुलिस विभाग की गंभीर चूक माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी के फरार होने में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों की लापरवाही सामने आई थी, जिसके चलते विभागीय स्तर पर मंथन के बाद तबादला सूची जारी की गई।

देहात थाना प्रभारी लाइन अटैच- जारी आदेश के तहत देहात थाना प्रभारी रचना मिश्रा को पुलिस लाइन भेज दिया गया है। उनकी जगह अमित गौतम को देहात थाना की कमान सौंपी गई है। इसी प्रकार सागर नाका चौकी प्रभारी रोहित द्विवेदी को देहात थाना पदस्थ किया गया है, जबकि विक्रम दांगी को सागर नाका चौकी का नया प्रभारी बनाया गया है।

जबलपुर नाका चौकी प्रभारी प्रसीता कुर्मी को भी पुलिस लाइन भेजा गया है। उनके स्थान पर प्रियंका पटेल को जबलपुर नाका चौकी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त 13 अन्य पुलिसकर्मियों के भी तबादले किए गए हैं। इनमें कुछको विभिन्न थाना क्षेत्रों में पदस्थ किया गया है, तो कुछ को पुलिस लाइन भेजा गया है।

एसपी ने कहा - रुटीन ट्रांसफर, नई टीम गठित- एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने मीडिया से चर्चा में कहा कि यह नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत किए गए स्थानांतरण हैं। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि आरोपी के फरार होने की घटना में लापरवाही सामने आई है। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए नई टीम गठित की गई है, जो आरोपी की तलाश में जुटी है।

एसपी ने भरोसा दिलाया कि फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए आवश्यक सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस अभिरक्षा से आरोपी के फरार होने की घटना ने विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। अब देखना होगा कि नई टीम कब तक आरोपी को पकड़ने में सफल होती है।

दिग्विजय सिंह के जन्मदिवस पर कोलार में फल वितरण, 12वें वर्ष भी जारी रही परंपरा

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर 28 फरवरी 2026 को कोलार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्यक्रम लगातार 12वें वर्ष भी उसी उत्साह और समर्पण के साथ संपन्न हुआ।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोलार के अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और फल वितरित किए। कार्यकर्ताओं ने 'राजा साहब' के नाम से लोकप्रिय दिग्विजय सिंह के दीर्घायु एवं शतायु होने की प्रार्थना भी की।

राहुल सिंह राठौड़ ने बताया कि दिग्विजय सिंह नर्मदा मैया के परम भक्त हैं और प्रदेश कांग्रेस के लाखों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं। उनके जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए कोलार ब्लॉक कांग्रेस द्वारा हर वर्ष जरूरतमंदों के बीच फल वितरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा सामाजिक सरोकार और जनसेवा की भावना को मजबूत करने का माध्यम है।

कार्यक्रम में भोपाल लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव, हुजूर विधानसभा प्रत्याशी नरेश ज्ञानचंदानी, मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अवनीश बुंदेला सहित कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान मरीजों और उनके परिजनों ने भी इस पहल की सराहना की। कोलार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि राजनीतिक आयोजन केवल औपचारिकता तक सीमित न रहकर समाजसेवा से जुड़े हों, तो उनका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक होता है।

आने वाली सदी डाटा की होगी : पटेल

सन् 1842 बुंदेला क्रांति का नेतृत्व करने वाले राजा हृदेशशाह लोधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 28 अप्रैल को भोपाल में होगा कार्यक्रम

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत ग्रामीण एवं श्रम कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि लोधी समाज को अपने गौरवशाली इतिहास के बारे में जानकारी होनी चाहिए, साथ ही पदाधिकारी को जो दायित्व मिल रहा है उसके प्रति समर्पण भाव से काम करने की आवश्यकता है आने वाली सदी डाटा की होगी जिस समाज के पास डाटा नहीं होगा उस समाज को कुछ मिलने वाला नहीं है।

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल लोधी लोधा समाज के प्रदेश के पदाधिकारी के सम्मान समारोह को भोपाल के शहीद भवन में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे, उन्होंने कहा कि लोधी लोधा समाज को अपने अतीत की जानकारी होना आवश्यक है एवं समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है कि समाज कुरीतियों से मुक्त हो और हर क्षेत्र में प्रगति करे। संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि समाज को नशा जैसी कुरीतियों से दूर रहना चाहिए लोधी समाज को राष्ट्रभक्ति का, बच्चों को पढ़ाई का तथा समाज सुधार का जुनून होना चाहिए। लोधी समाज को अपनी जैसी पिछड़ा वर्ग समेत सभी जातियों से तालमेल बिठाकर काम करने की आवश्यकता है।

इससे पहले लोधी समाज के नए पदाधिकारियों के सम्मान समारोह का शुभारंभ समाज के प्रदेश अध्यक्ष जालम सिंह पटेल एवं ऐटा विधायक राष्ट्रीय अध्यक्ष डेविड विपिन वर्मा समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया। श्री पटेल ने स्वागत भाषण देते हुए लोधी समाज के आगे की पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा बताई उन्होंने कहा कि लोधी समाज के शहीदों के इतिहास की जानकारी पिछडा वर्ग की सभी जातियों के बीच में जाना चाहिए लोधी समाज के नए प्रदेश पदाधिकारियों को सम्मानित करने के बाद अतिथि गणों ने उन्हें नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया सभी पदाधिकारियों को समाज सेवा में कार्य करने की शपथ दिलाई गई अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों द्वारा पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी की माता जी, मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, जालम सिंह पटेल की माता जी एवं समाज के सभी वरिष्ठों के स्वर्गवास गमन पर 2 मिनट का मौन धारण कर शोक संवेदना व्यक्त की। सन् 1842 बुंदेला क्रांति का नेतृत्व करने वाले राजा हृदेशशाह लोधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 28 अप्रैल को भोपाल में भव्य कार्यक्रम किये जाने का निर्णय लिया गया इस क्रांति में गोंड, राजगोंड, ठाकुर बुंदेला व लोधी राजवंशों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

भोपाल में तीन दिनों में एक दर्जन आवारा कुत्तों की मौत, जहर देने की आशंका

भोपाल। शयामला हिल्स थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्मपुरी इलाके और अंसल अपार्टमेंट के आसपास तीन दिनों के भीतर एक दर्जन आवारा कुत्तों की मौत से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय निवासियों के अनुसार अब तक कम से कम 12 आवारा कुत्तों की मौत हो चुकी है, जबकि चार अन्य कुत्ते गंभीर हालत में हैं और उनका उपचार एक पशु चिकित्सालय में चल रहा है।

चंद घंटों में अपहृत नाबालिक की दस्तयाबी, सकुशल परिजनों को सौंपा

भोपाल। राजधानी भोपाल में शाहजहाँनाबाद थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अपहृत 16 वर्षीय नाबालिक बालिका को चंद घंटों में सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है।

जानकारी के अनुसार 26 नवंबर 2025 को मदर इंडिया कॉलोनी निवासी एक महिला ने थाने में सूचना दी कि उनकी 16 वर्षीय बेटी मोबाइल वापस लेने की बात को लेकर बिना बताए घर से कहीं चली गई है। सूचना पर गुमशुदगी क्रमांक 16/2026 दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान आशंका व्यक्त की गई कि बालिका को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। इस पर थाना शाहजहाँनाबाद में अपराध क्रमांक 98/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अवधेश गोस्वामी तथा पुलिस उपायुक्त श्री मयूर खंडलवाल के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। सहायक पुलिस आयुक्त श्री अनिल वाजपेयी एवं अति. पुलिस उपायुक्त श्रीमती शालिनी दीक्षित के निर्देशन में थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सघन तलाश शुरू की।

पुलिस की सक्रियता से बालिका को कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद कर लिया गया। कार्रवाई में सउनि रमाशंकर खरे सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

भक्ति और रंगों का महासंगमः भव्य निशान यात्रा व फाग महोत्सव संपन्न

भोपाल, नप्र। कोलार, श्री खाटू श्याम आराधना ग्रुप के तत्वावधान में 27 एवं 28 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय धार्मिक महोत्सव श्रद्धा, उल्लास और भक्ति के अद्भुत संगम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

भव्य निशान यात्रा में उमड़ा जनसैलाबः 27 फरवरी को प्रातः 11 बजे 'प्रभु इच्छा तक' थीम पर भव्य निशान यात्रा निकाली गई। यात्रा काली जी का मंदिर से प्रारंभ होकर खाटू श्याम मंदिर ए-सेक्टर पहुँची। हाथों में निशान लिए श्रद्धालु भक्ति गीतों और जयकारों के साथ आगे बढ़ते रहे। डीजे की भक्तिमय धुनों, ऊंट बग्गी, इत्र एवं पुष्प वर्षा ने पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत एवं जलपान की व्यवस्था भी की गई।

फाग महोत्सव में बिखरे रंग और भक्ति रसः 28 फरवरी को प्रातः 3:00 बजे द्वादशी संकीर्तन एवं फाग महोत्सव का आयोजन हुआ। 'होली खेले रे... कन्हैया राधा के संग' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए। रंग, गुलाल और फूलों की वर्षा के बीच भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे।

भजन संध्या ने बांधा समांः कार्यक्रम में अंजन प्रवाहक राजेश निखाड़े, मीनाक्षी सिंह, मनोरमा सिंह, कविता सक्सेना, पूनम, संतोषी साहू एवं सरस्वती ने भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। सुप्रसिद्ध भजन गायिका एवं समाजसेविका राखी परमार की विशेष प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आयोजन समिति का आभारः आयोजन की प्रमुख सुनीता दिनेश मेहरा एवं समस्त महिला मंडल कोलार ने कार्यक्रम की सफल संपन्नता पर सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों और व्यवस्था में लगे स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। समिति ने कहा कि श्रद्धालुओं के उत्साह और सहयोग से यह आयोजन भव्य एवं ऐतिहासिक बन सका।दो दिवसीय इस धार्मिक आयोजन ने कोलार क्षेत्र को पूर्णतः भक्तिमय वातावरण में रंग दिया और श्रद्धालुओं के मन में आस्था एवं उल्लास की अमिट छाप छोड़ दी।

पंचायत का होली मिलन व साधारण सभा 7 मार्च को

पंचायत चुनाव जून माह में, चुनाव अधिकारी की घोषणा साधारण सभा में

भोपाल, नप्र।

पूज्य सिंधी पंचायत संत हिरदाराम नगर के पदाधिकारियों की बैठक पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पंचायत के चुनाव आगामी माह जून 2026 में करवाए जाएंगे। जिसके चुनाव अधिकारी व चुनाव तारीख आगामी 07 मार्च को आयोजित पंचायत का होली मिलन व साधारण सभा की बैठक में सर्वसम्मति से किया जाएगा। इसके साथ ही पंचायत में पदो को बढ़ाया जाएगा। पहले 10 हुआ करते थे अब 12 होंगे। अब सचिव 02, सहसचिव भी 02 होंगे। पंचायत के नए सदस्य 01 अप्रैल से बनाए जाएगे। आजीवन सदस्यता शुल्क 500 रुपये रहेगा। 01 मार्च से पगडी रस्म व बैठक के समय में मौसम अनुसार बदलाव किया गया है। अब 01 मार्च से अक्टूबर माह तक पगडी रस्म का समय शाम 05:30 बजे से 06:00 बजे तक रहेगा। जबकि बैठक का समय रात्रि 08 बजे से 09 बजे तक रहेगा। पंचायत में समस्त नगरवासीयो से अपील की है कि रंगों का पर्व होली शांतिपूर्वक व भाईचारे के साथ मनाए। पडितो के अनुसार 02 मार्च को होली दहन होगी। 03 मार्च को ग्रहण रहेगा, व 04 मार्च को रंग खेला जाएगा।

बैठक में पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, महासचिव नंद दादलानी, उपाध्यक्ष भरत आसवानी, जगदीश आसवानी, कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी, सहसचिव जेठानंद मंगतानी, सह कोषाध्यक्ष माधव पारदासानी व आडिटर हरीश मेहरचंदानी उपस्थित थे।

ईरानी डेरे में पुलिस ने किया जनसंवाद

डीसीपी मयूर खंडेलवाल की सख्त हिदायत अपराधियो को पनाह न दे,अपराधियो की गिरफ्तारी में बाधा बने तो होगी कार्यवाही

भोपाल, नप्र। देश भर में प्रख्यात हो चुका मप्र की राजधानी भोपाल करोंद स्थित ईरानी डेरे में शुक्रवार रात एक बार फिर भारी संख्या में पुलिस बल जा पंहुचा। परंतु इस बार किसी दविश के उद्देश्य से नही बल्कि ईरानी डेरे अमन कॉलोनी में रहने वालों लोगो से जनसंवाद कर समझाइश दी गयी । अमन कॉलोनी ईरानी डेरा सिया मस्जिद के पास डीसीपी मयूर खंडेलवाल, एडीसीपी मलकीत सिंह, एसीपी निशातपुरा अक्षय चौधरी, थाना प्रभारी मनोज पटवा सहित अन्य थाना निशातपुरा पुलिस बल द्वारा ईरानी डेरे में रहने वाले लोगो से जन संवाद कर बात की।

डीसीपी जोन 04 मयूर खंडेलवाल ने जनसंवाद में कहा कि जो अपराधी को शरण देता है वह स्वयं गुनहगार होता है। इसलिए आप लोग अपराधियो को अपने घरों व डेरे में शरण न दे। यदि कोई अपराधी आपके घर या डेरे में छुपा है। तो इसकी सूचना पुलिस को दे। पुलिस कार्यवाही में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि यह आप लोग भी जानते हो कि डेरे में कितने मकान अवेध बने हुए है। पुलिस ने अपनी कार्यवाही के बाद भी उसपर कोई हस्तछेप नही किया। परंतु अगर आप लोग पुलिस के काम के दौरान कोई बाधा अगली बार उत्पन्न करोगो तो मजबूरन अवैध मकानों पर भी कार्यवाही करनी पड़ेगी। डीसीपी मयूर खंडेलवाल ने बताया कि जनसंवाद कर ईरानी डेरे में रह रहे लोगो को समझाइश दी गयी कि आरोपी को किसी तरह से भी संरक्षण न दिया जाए। जो आरोपी ईरानी डेरे में रह रहे उन्हें आसानी से पुलिस को गिरफ्तार करने दे। कोई बाधा उत्पन्न न करें। किसी भी अपराधी के छुपे होने की सूचना पुलिस को दी जाए, जिससे की बदमाशो पर कार्यवाही हो सके। उन्होंने कहा कि जो लोगो ईरानी डेरे में जो लोग सामान्य रूप से ईरानी डेरे में जीवन व्यतीत कर रहे और करते आये है तथा जो व्यक्ति अपने आप सुधारात्मक कार्यवाही चाहते है। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जनसंवाद में एडीसीपी मलकीत सिंह ने कहा कि यदि आपकी कोई समस्या है तो पुलिस को बताये। किसी अपराधी को पकड़ने आई पुलिस को कार्यवाही में बाधा खड़ी करोगे तो खमियाजा भुगतना पड़ेगा। इसका उदाहरण आप देख चुके हो। एसीपी अक्षय चौधरी ने कहा कि जो अपराधी पाप कर रहा है। आप उसका साथ दे क्यों अपराधी बन रहे हो। अपराधी की गिरफ्तारी में सामूहिक रूप से बाधा उत्पन्न कर आप स्वयं भी उसके पाप में शामिल हो रहे हो। यदि अपराधी आपके परिवार या घर का भी है तो उसे पनाह न दे। पुलिस की कार्यवाही में दखल देने का अंजाम आप लोग देख चुके हो। जन संवाद के बाद सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई कि अब डेरे में किसी भी अपराधी को संरक्षण नही दिया जाएगा। कोई अपराधी यदि छुपा है तो इसकी जानकारी पुलिस को देंगे। पुलिस की किसी भी कार्यवाही में बाधा उत्पन्न नही करेंगे।इसके बाद डीसीपी मयूर खंडेलवाल, एडीसीपी मलकीत सिंह, एसीपी अक्षय चौधरी द्वारा डेरे का भ्रमण कर क्षेत्र व आने जाने वाले का मुआयना किया।

देश के कई राज्यो के इनामी पकड़े गए:

बता दे कि दिसंबर 2025 से भोपाल पुलिस जोन 04 डीसीपी के नेतृत्व में दो बार करोंद के ईरानी डेरे में दविश दे मप्र की अनेकों जिलों तथा अन्य राज्यो की वांटेड लिस्ट के इनामी आरोपी पकड़े है। दविश के दौरान पुलिस कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने वालो पर भी कार्यवाही हुई थी। पूर्व पुलिस कार्यवाही के दौरान ईरानी डेरे में रहने वाले लोगो द्वारा अपराधियो को संरक्षण दिया गया और उनकी गिरफ्तारी पर बाधा उत्पन्न की गई थी। उक्त कार्यवाही के पूर्व अन्य राज्यो व मप्र के ज़िलों से आई पुलिस पर कही मिर्ची डाली गई तो कही बाधा खड़ी कर अपराधियो को भगा दिया गया।

600 वर्गफीट के मकान पर मिले 43 फर्जी वोटर के नाम

जिला प्रशासन की कार्रवाई पर कांग्रेस ने उठाया गंभीर सवाल

भोपाल, नप्र। केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्देश पर शहर की अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में चलाया गया स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कार्यक्रम के बाद भी प्रकाशित हुई मतदाता सूची में गंभीर खामियां उजागर हो रही है। नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 75 के बूथ क्रमांक 63 के अंतर्गत 1500 वर्गफीट में रहने वाले पोखरलाल साहू के मकान में आज भी 37 मतदाता जो कि अलग-अलग जातियों के दर्ज पाए गए हैं। वार्ड क्रमांक 63 के इसी बूथ के मकान नंबर 10 पर कमलेंद्र गुप्ता रिटायर्ड इंजीनियर ग्रामीण विकास विभाग के एड्रेस पर 800 स्क्वायर फीट के मकान में 36 मतदाता दर्ज पाए गए हैं। वहीं मकान नंबर 21 में हमीर सिंह यादव के पते पर 600 स्क्वायर फीट के मकान में 43 फर्जी मतदाता पाए गए। करौंद इलाके में मतदाता सूची शुद्धिकरण के बावजूद एक ही एड्रेस पर इतने सारे वोटर्स के नाम मिलने की जानकारी सामने आने के बाद मौके पर कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला सहित अन्य कार्यकर्ताओं पहुंचे। शुक्ला ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं केंद्रीय चुनाव आयोग से इस मामले में दखल देते हुए जांच की मांग की है। शुक्ला ने चेतावनी दी है की शुद्धिकरण अभियान के बाद भी मतदाता सूची में तमाम प्रकार की अशुद्धियां पाई जा रही है तो यह शासकीय कार्य में गंभीर लापरवाही का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कांग्रेस ने राजनीतिक दल विशेष के पक्ष में की गई इस कार्रवाई का विरोध किया है एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। इस अवसर पर करोंद ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष युवराज सिंह राय, यु.का.अध्यक्ष अमित खत्री, विजेंद्र शुक्ला, आनंद विश्वकर्मा, दीपक दीवान, सुनील उरे, विनोद ठाकुर, अनूप पांडे आदि मौजूद थे।

अंधविश्वास के पीछे का विज्ञानः छात्राओं ने बताया कैसे केमिकल रिएक्शन का दुरुपयोग होता है पाखंड में

भोपाल, नप्र। राजधानी के शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को रसायन शास्त्र एवं औद्योगिक रसायन विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया।

प्राचार्य एवं रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. भारती जैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में छात्राओं को वैज्ञानिक सिद्धांतों के माध्यम से जागरूक किया गया कि कैसे कुछ ढोंगी व्यक्ति रसायनों और बुनियादी विज्ञान की प्रतिक्रियाओं का दुरुपयोग कर भोले-भाले लोगों को धार्मिक आस्था के नाम पर भ्रमित करते हैं और अंधविश्वास फैलाते हैं।

27 क्विंटल मावा व 45 किलो पनीर जप्त

खजूरी सड़क पुलिस ने मिलावटी मावे की शंका पर टोल नाके के पास रोका था वाहन

भोपाल, नप्र। आगामी होली त्यौहार के चलते राजधानी भोपाल में बाहर से मावे की आवक बढ़ गयी है। शुक्रवार को खजूरी सड़क पुलिस द्वारा सुबह टोल नाके के पास चेकिंग के दौरान एक वाहन रोका जिसमे मावा पनीर भरा हुआ था। पुलिस को उक्त मावे व पनीर में मिलावट की शंका गई तो उसने तत्काल खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को इसकी जानकारी दी। टीम द्वारा मौके पर पहुँच 27 क्विंटल मावा व 45 किलो पनीर जप्त कर कोल्ड स्टोरेज में रखवाया गया है। बताया जा रहा है मावे की कीमत लगभग 6 लाख रुपए है। जिसकी मिलावट की शंका के आधार पर मावा एवं पनीर को जप्त कर पांच-पांच नमूने लिए गए जो कि राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जानकारी के अनुसार मावा भिंड से भोपाल के अनेक प्रतिष्ठानों में होली के त्यौहार में खपाने लाया गया था। जो भोपाल पहुचने के बाद अलग अलग जगह वितरित किया जाता। मावा व पनीर का कोई भी मालिक खाद्य सुरक्षा विभाग नही पहुँचा। इसलिए मावे व पनीर को कोल्ड स्टोरज में रखवाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मावा को देखने पर ही मिलावट की आशंका हुई थी। उक्त मावे में या तो फैट कम है या कोई वनस्पति मिलाया गया है। यह प्रयोगशाला की जांच आने के बाद ही स्पष्ठ होगा। वही विगत एक माह में खाद्य प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा भोपाल के अलग-अलग दूकानों कार्रवाई कर नमकीन मिठाई पनीर तेल मैदा बेसन इत्यादि खाद्य पदार्थ के नमूने 234 नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

100 दिवस सें अधिक सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का प्रमुखता से करें निराकरण : संभागायुक्त श्री सिंह

भोपाल, नप्र। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभाग के सभी जिलों में सीएम हेल्पलाइन में लंबित 100 दिवस से अधिक शिकायतों पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए खाद्य आपूर्ति अधिकारी विदिशा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी जिलों के सीएम हेल्पलाइन प्रभारी एडीएम को प्रत्येक सप्ताह राजस्व संबंधी शिकायतों का रिव्यू कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके साथ स्वास्थ्य विभाग विदिशा की लंबित शिकायतों पर सख्त नाराजगी व्यक्त की। किसान सम्मान निधि एवं प्राकृतिक आपदा राहत वितरण राशि के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण न करने वाले तहसीलदारों को कारण बताओं नोटिस जारी कर आगामी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में विदिशा जिले की लंबित शिकायतों के लिए राजस्व उपायुक्त श्रीमती किरण गुप्ता को विदिशा जिले में राजस्व अधिकारियों की बैठक कर शिकायतों के निराकरण करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कलेक्टर्स - कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस के कृषि एवं एलाइड विभागों की समीक्षा करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत भोपाल संभाग के सभी जिलों में कृषि एवं एलाइड विभागों के फसलों, उद्यानिकी क्लस्टर के अंतर्गत भोपाल जिले में प्याज, लहसुन, सब्जी मसाला क्षेत्र विस्तार का 400 हेक्टेयर रकबा, विदिशा, सीहोर, रायसेन में टमाटर, प्याज, लहसुन क्षेत्र विस्तार का 600 हेक्टेयर रकबा एवं राजगढ़ में संतरा क्षेत्र विस्तार के रकबे का डीपीआर प्रारूप तैयार कर वर्ष 2026-27 के लक्ष्य निर्धारित करें। इसके साथ ही प्याज, लहसुन एवं टमाटर की पोस्ट हार्वेस्टिंग देश की बेहतरीन तकनीक, संबंधित रिसर्च इंस्टीटयूट भ्रमण करें एवं विस्तृत अध्ययन कर कार्य योजना की रिपोर्ट प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि, राजस्व प्रकरणों दर्ज नामातंरण, बंटवारा, सीमांकन के प्रकरणों को अधिकारी प्रो-एक्टिव होकर तय समय में निराकृत करें एवं संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं से लाभांवित करें।

संपादकीय

सरकारी दौरे में फिजूलखर्ची ने खोली सिस्टम की पोल

सरकारी यात्रा से जुड़े इन आतिथ्य इंतजामों का ब्योरा चर्चा में आने के बाद संचार मंत्री ने इसे 'बेहद ही बेतुका', 'स्तब्ध कर देने वाला' तथा अस्वीकार्य बताया। इस मामले में बेशक तत्काल कार्रवाई की गई हो, लेकिन सरकारी तंत्र में धन की बर्बादी कैसे हो रही है, यह उसकी यह बानगी भर है। किसी भी देश में सरकारी तंत्र में वित्तीय अनुशासन का अपना महत्त्व है। सरकारी खजाने की राशि सावधानी से और प्राथमिकता के आधार पर ही खर्च की जानी चाहिए। मगर यह राशि जब कल्याणकारी योजनाओं में लगाने या विकास के लिए संसाधन जुटाने के बजाय सरकारी दौरे तथा आतिथ्य प्रबंधन में बर्बाद होने लगे, तो जनता का भरोसा टूटता है। आज एक ओर भारत के दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के दावे किए जा रहे हैं, तो दूसरी ओर देश के कुछ अधिकारी और नेता फिजूलखर्ची से बाज नहीं आ रहे।भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी के प्रस्तावित सरकारी दौरे में पद और सार्वजनिक संसाधनों के बेजा इस्तेमाल का मामला सामने आने से एक बार फिर यही जाहिर हुआ है कि पद और रसूख के प्रभाव के पीछे सामंती सोच का ढांचा किस तरह काम करता है। अधिकारी की यात्रा के लिए जिस तरह से पचास अन्य अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपने की खबर आई, वह चौंकाने वाली है। इसमें उनको तौलिया-कंघी और तेल से लेकर अंतःवस्त्र तक जुटाने की हिदायत दी गई थी।सरकारी यात्रा से जुड़े इन आतिथ्य इंतजामों का ब्योरा चर्चा में आने के बाद संचार मंत्री ने इसे 'बेहद ही बेतुका', 'स्तब्ध कर देने वाला' तथा अस्वीकार्य बताया। इस तरह के आतिथ्य प्रबंधन संबंधी आदेश से बीएसएनएल की तो फजीहत हुई ही, वहीं यह सच्चाई भी सामने आई कि कई सरकारी दौरे में कैसे जम कर फिजूलखर्ची होती है।एक ओर, जनहित की योजनाओं को लागू करने में देरी के सवाल पर धन की कमी को कारण बताया जाता है, वहीं सरकारी तंत्र में पसरी फिजूलखर्ची पर लगाम लगाना जरूरी नहीं समझा जाता। यह छिपा नहीं है कि सरकारी गाड़ियों के दुरुपयोग से लेकर कई तरह के भत्तों पर बेतहाशा खर्च के साथ-साथ अधिकारियों के अनावश्यक दौरों और सरकार के विज्ञापनों पर किस तरह करोड़ों रुपए बहाए जाते हैं। जबकि जनता का यह धन अनेक तरह के करों के जरिए जुटाया गया होता है।इस मामले में बेशक तत्काल कार्रवाई की गई हो, लेकिन सरकारी तंत्र में धन की बर्बादी कैसे हो रही है, यह उसकी यह बानगी भर है। इसे गंभीरता से लेने और इस तरह की प्रवृत्ति पर सख्ती से लगाम लगाने की जरूरत है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीएसएनएल के निदेशक विवेक बंजल के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह कदम उनके उत्तर प्रदेश के प्रयागराज दौरे के दौरान दिए गए प्रोटोकॉल को लेकर उठे विवाद के बीच उठाया गया है। निदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। प्राप्त जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विश्वयुद्ध की दहलीज पर दुनिया, भारत के लिए अग्निपरीक्षा का समय

ओंकारेश्वर पांडेय

इतिहास के पन्ने गवाह हैं कि जब कूटनीति की मेज से आवाजें कम और आकाश में विमानों की गड़गड़ाहट ज्यादा होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध निकट है। और इस बार तो समंदर में भी भीषण तूफान उठ रहा है। दुनिया फिर विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। 27 फरवरी 2026 का दिन वैश्विक इतिहास में एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज हो गया है, जहाँ से वापसी का रास्ता धुंधला पड़ता जा रहा है। जब युद्ध के बादल गहराते हैं, तो सबसे पहले दूतावास खाली होते हैं और आसमान में लड़ाकू विमानों की कतारें दिखने लगती हैं। आज ठीक यही हो रहा है। अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने तेल अवीव से जो 'एग्जिट ईमेल' भेजा, वह केवल एक प्रशासनिक संदेश नहीं, बल्कि आने वाले महाविनाश का सायरन है। ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले की आशंका ने बीजिंग से लेकर वाशिंगटन तक खलबली मचा दी है। उधर, दुनिया का सबसे बड़ा और आधुनिक युद्धपोत, 'यूएसएस गेराल्ड आर.फोर्ड', हैफा के तट पर लंगर डाल चुका है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब 'धमकी' का समय समाप्त हो चुका है और 'कार्रवाई' की घड़ी आ गई है। एक भी चूक हुई तो केवल अमेरिका और ईरान ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देशों के इस युद्ध में कूदने और परमाणु युद्ध तक पहुंचने का खतरा है।

युद्धाभ्यास से युद्ध की दहलीज तक- बीते कुछ हफ्तों की समयरेखा को देखें तो स्पष्ट होता है कि स्थितियां हाथ से निकल चुकी हैं। विगत एक फरवरी 2026 को मास्को, बीजिंग और तेहरान के बीच हुए एक त्रिपक्षीय सामरिक समझौते ने पश्चिम की नींद उड़ा दी है। यह केवल रक्षा समझौता नहीं था, बल्कि रूसी राष्ट्रपति के सलाहकार निकोलाई पेत्रुशेव द्वारा परिकल्पित उस 'बहुध्रुवीय विश्व' की घोषणा थी, जो अमेरिकी वर्चस्व को सीधी चुनौती देने के लिए तैयार है।

43 पन्नों के इस समझौते के महज इतने ही बिंदु सामने आये हैं, जिसमें युद्ध होने की स्थिति में एक दूसरे को आर्थिक और संयुक्त राष्ट्र में राजनयिक सहयोग और समर्थन देने की बात की गयी है। पर दुनिया जानती है कि कड़ी बातें कहना वैसे ही होता है कि गरजने वाले बादल बरसते नहीं और खामोशी की गहराई समंदर से गहरी होती है। दुनिया की यह खामोशी ज्यादा खतरनाक है।

इसके तुरंत बाद 16 फरवरी 2026 को होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया की 'ऊर्जा लाइफलाइन' है, वहां 'मैरीटाइम सिक्योरिटी बेल्ट-2026' अभ्यास शुरू हुआ। रूस और चीन के युद्धपोत ईरान के साथ मिलकर युद्धाभ्यास कर रहे हैं। यह महज कोई सैन्य अभ्यास नहीं है, बल्कि उस भू-राजनीतिक विस्फोटक का अंतिम फ्यूज है, जिसे सुलगाने की तैयारी लंबे समय से चल रही थी। यह संदेश साफ है कि अगर फारस की खाड़ी में युद्ध हुआ, तो ईरान अकेला नहीं होगा।

सवाल अब यह नहीं रह गया है कि धमाका होगा या नहीं,अब सवाल यह है कि इस महायुद्ध की पहली चिंगारी कहाँ गिरेगी और क्या कोई ऐसी शक्ति शेष है जो दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की भट्ठी में झोंकने से बचा सके?

19 फरवरी 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप का अल्टीमेटम आया कि ईरान के पास केवल 10 से 15 दिन हैं। उनकी भाषा स्पष्ट थी, 'या तो डील करो, या तबाही के लिए तैयार रहो।' ईरान समझौते के लिए तो तैयार है, पर अमेरिका जो शर्तें रख रहा है, वह मानने को तैयार नहीं।

परमाणु गतिरोध: वियना वार्ता का 'डेड एंड'- और इसीलिए 26-27 फरवरी 2026 को जिनेवा में अंतिम दौर की वार्ता बेनतीजा रही। जिनेवा में चली पांच घंटे की मैराथन बैठक के बाद आधिकारिक तौर पर तो ओमान ने इसे प्रगति बताया, लेकिन पर्दे के पीछे की हकीकत यह है कि ईरान ने अपनी संप्रभुता और परमाणु अधिकारों के साथ समझौता करने से मना कर दिया है। यानी कोई ठोस परिणाम नहीं निकला।

अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी तीन प्रमुख परमाणु सुविधाओं (फोर्डो, नतांज और अराक) को पूरी तरह नष्ट कर दे और समृद्ध यूरेनियम देश से बाहर भेज दे। लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची का तर्क अडिग है 'परमाणु ऊर्जा हमारा अधिकार है, और हम प्रतिबंधों की बंदूक के साये में आत्मसमर्पण नहीं करेंगे।'

फोर्ड की तैनाती: इजराइल बनेगा 'लॉन्च पैड'?- यूएसएस गेराल्ड आर.फोर्ड का इजराइल पहुँचना रणनीतिक रूप से एक 'चेकमेट' की चाल जैसा है। अमेरिका ने इस क्षेत्र में अपने दो सबसे शक्तिशाली विमानवाहक पोतों को तैनात कर दिया है। यूएसएस अब्राहम लिंकन अरब सागर में है और फोर्ड अब हैफा में। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि फोर्ड की उपस्थिति इजराइल को वह सुरक्षा कवच प्रदान करती है, जिसके बाद वह ईरान पर 'प्री-एम्प्टिव' यानी निवारक हमला कर सकता है। फोर्ड का अत्याधुनिक 'एजिस' मिसाइल डिफेंस सिस्टम इजराइली शहरों को ईरान की लंबी दूरी की मिसाइलों से बचाएगा, जबकि उसके डेक से उड़ने वाले स्न-35 विमान ईरान के परमाणु ठिकानों को जमींदोज करने की क्षमता रखते हैं।

ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की सक्रियता बताती है कि अमेरिका शायद खुद सामने न आकर इजराइल को आगे कर दे। लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता ने भी साफ कर दिया है कि यदि उनके देश पर एक भी मिसाइल गिरी, तो इजराइल का अस्तित्व इतिहास के पन्नों तक सीमित कर दिया जाएगा।

ईरान से निकासी की भगदड़- कूटनीति की हार- इतिहास बताता है कि जब सरकारें अपने नागरिकों को घर वापस बुलाने लगती हैं, तो यह मान लेना चाहिए कि खुफिया एजेंसियों को युद्ध की निश्चित तारीख पता चल चुकी है। 27 फरवरी को अमेरिकी दूतावास ने गैर-जरूरी कर्मचारियों को तुरंत इजराइल छोड़ने को कहा। राजदूत हकाबी के शब्द 'आज ही चले जाइए' दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति की बेबसी और तैयारियों को बयां करते हैं। वहीं, चीन जो आमतौर पर बहुत सधी हुई प्रतिक्रिया देता है,उसने भी अपने नागरिकों को ईरान से 'जल्द से जल्द' निकलने की सलाह देकर यह पुख्ता कर दिया है कि खाड़ी की आग बुझने वाली नहीं है। ट्रंप की समयसीमा 4-5 मार्च को खत्म हो रही है। अगले हफ्ते वियना में होने वाली तकनीकी वार्ता शायद केवल एक औपचारिकता बनकर रह गई है। दुनिया के पास अब केवल कुछ ही दिन बचे हैं, जब हथियार बोलना शुरू कर देंगे क्योंकि इस बार कोई गीदड़भभकी नहीं दे रहा।

फारस की खाड़ी में अभूतपूर्व सैन्य जमावड़ा- अमेरिका ने मध्य पूर्व में हाल के दशकों का सबसे बड़ा नौसैनिक जमावड़ा खड़ा कर दिया है। इस वक्त फारस की खाड़ी और अरब सागर में कम से कम 16 अमेरिकी युद्धपोत तैनात हैं। इनमें दो परमाणु-संचालित विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड शामिल हैं, जिनमें से हर एक करीब 70 लड़ाकू विमान ले जा सकता है। इनके साथ नौ विध्वंसक (डेस्ट्रॉयर) और तीन लिटोरल कॉम्बैट शिप भी हैं, जो टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से लैस हैं।

हवा में ताकत और भी खतरनाक- जॉर्डन के मुवाफ्फक सल्ती एयर बेस और सऊदी अरब के अल-खार्ज बेस पर एफ-35 स्टेल्थ फाइटर्स, ए-10सी अटैक विमान, एमक्यू-9 ड्रोन और तीन ई-11ए बैटलफील्ड एयरबोर्न कम्युनिकेशन नोड (ब्क्चह्) तैनात किए गए हैं। यह संख्या जून 2025 के ऑपरेशन मिडनाइट हैमर से भी ज्यादा है।

कम नहीं है ईरान की भी तैयारी - उसकी रिवोल्यूशनरी गार्ड (ढ्ढक्रत्नष्ट) के पास 1500 से ज्यादा छोटी, तेज रफ्तार हमला नौकाओं का 'मॉस्किटो फ्लीट' है, जो 110 नॉट्स की रफ्तार से दौड़ सकती हैं और संख्या के बल पर अमेरिकी रडार को धोखा दे सकती हैं। उनके पास नस्र, कौसर (25 किमी रेंज), ग़ादेर (200-300 किमी) और अबू महदी (1000 किमी से ज्यादा) जैसी एंटी-शिप मिसाइलें हैं, जो खाड़ी के उथले पानी (औसत गहराई 35-50 मीटर) से दागी जा सकती हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई पहले ही कह चुके हैं कि अमेरिकी युद्धपोत 'समुद्र की तह में भेज दिए जाएंगे'।

और अब जरा सोचिए अगर यह टकराव हुआ, तो क्या सिर्फ अमेरिका और ईरान तक सीमित रहेगा? नहीं, यह तो पूरे पश्चिम एशिया को आग में झोंक देगा। सबसे पहला और सीधा निशाना होगा होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया का 20 फीसदी तेल गुजरता है। ईरान ने पहले ही इसे बंद करने की धमकी दे रखी है। एक बार यह रास्ता बंद हुआ, तो वैश्विक तेल कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल के पार जाएंगी और दुनिया की अर्थव्यवस्था ठप हो जाएगी। इस क्षेत्र में तैनात अमेरिकी ठिकाने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान बेस, अल-खार्ज, ओमान के डुकम एयरपोर्ट, जॉर्डन के मुवाफ्फक सल्ती, कतर के अल-उदीद,सभी ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोनों की जद में हैं। इन ठिकानों से जुड़े सभी नागरिक एयरपोर्ट,दुबई, अबू धाबी, दोहा, मनामा, कुवैत सिटी, रियाद तुरंत बंद करने होंगे, क्योंकि कोई भी यह जोखिम नहीं लेगा कि एक भी यात्री विमान गलती से भी मिसाइल हमले की चपेट में आ जाए। इजरायल चाहे भले ही सीधे खाड़ी में न हो, लेकिन नेतन्याहू लगातार ईरान की मिसाइलों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। अगर ईरान पर हमला हुआ, तो तेल अवीव उसकी पहली जवाबी कार्रवाई का निशाना बनेगा। हिज्बुल्लाह (लेबनान), हूती (यमन), और शिया मिलिशिया (इराक, सीरिया) सभी एक साथ अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर हमला करेंगे। यह कोई द्विपक्षीय झड़प नहीं होगी,यह पूरे पश्चिम एशिया को जलाने वाली आग होगी, जिसमें रूस, चीन, यूरोप और भारत को भी अपनी-अपनी सुरक्षा और तेल आपूर्ति बचाने के लिए कूदना पड़ेगा और तब आप देखेंगे कि इस युद्ध को विश्व युद्ध में बदलने में देर नहीं लगेगी।

वैश्विक महाशक्तियों के बीच भारत की अग्निपरीक्षा- रूस और चीन के लिए खाड़ी का यह संकट एक अवसर की तरह है। वे चाहते हैं कि अमेरिका इस क्षेत्र में उलझा रहे ताकि यूक्रेन और ताइवान पर दबाव कम हो सके लेकिन भारत के लिए यह स्थिति किसी दुस्वप्न से कम नहीं है। भारत को 2026 में ब्रिक्स (क्चक्रढ्ढष्टस) की अध्यक्षता ।करनी है, जहाँ ईरान अब एक पूर्ण सदस्य है। दूसरी ओर, क्वाड (क्तह्वड्डस्र) के साथी अमेरिका ने भारत पर दबाव बनाया है कि वह चाबहार पोर्ट का संचालन बंद करे। भारत ने इस प्रोजेक्ट को फिलहाल स्थगित कर रखा है। चाबहार न केवल भारत का रणनीतिक निवेश है, बल्कि मध्य एशिया तक पहुँचने का एकमात्र रास्ता भी है। यदि युद्ध छिड़ता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर के पार जा सकती हैं, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती पैदा होगी।

मोरार दरवाजा सन 1874

इंद्रदेव सिंह कुशवाह ग्वालियर

भारत के शीर्ष शिक्षण संस्थानों में से एक सिंधिया कन्या विद्यालय ग्वालियर के ठीक बगल में बने इस गुमनाम दरवाजे के बारे में जानने के लिए हमारे पास कई यूथ के कॉल आए वो जानना चाहते थे कि यह गुमनाम पुरातत्व स्मारक यह दरवाज़ा क्या है कब बना किसने बनाया था यह दरवाज़ा सन सन 1874 में बना जब तत्कालीन राजा जयाजी राव शिंदे ने जय विलास महल बनवाया था, उन दिनों यह जय विलास महल का द्वार हुआ करता था, इसका फेस मोरार कैंट की तरफ होने के कारण इसे नाम दिया गया स्ह्वक्रक्रञ्जश्व यानि मिलिट्री ऑफिसर्स रेजिडेंशियल एरिया रिजर्व, उन दिनों मोरार ब्रिटिश छावनी हुआ करती थी, इस दरवाजे पर उस दौर में शिंदे शाही की फौज की 100 से अधिक सैनिकों और तोप की टुकड़ी इसकी सुरक्षा में तैनात रहा करती थी

पंजाब में विराट कांत के रूप में भाजपा को मिला नया राष्ट्रवादी यूथ आइकन

महेन्द्र कुमार शर्मा

पंजाब की जटिल राजनीति में विराट कांत का भाजपा में प्रवेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है। राजनीतिक गलियारों में इसे मोदी सरकार के उस 'विजन' के रूप में देखा जा रहा है, जहाँ वे ऐतिहासिक राष्ट्रवादी विरासत को आधुनिक युवा नेतृत्व के साथ जोड़ रहे हैं। विश्लेषक विराट कांत को 'उत्तर का तेजस्वी सूर्या' कह रहे हैं। एक ऐसा चेहरा जिसमें बौद्धिक प्रखरता भी है और महान राष्ट्रवादी डीएनए भी। विराट कांत उस परिवार से आते हैं जिसने भारत की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक जड़ों को सींचा है। वे भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति कृष्ण कांत के पोते और 'पंजाब के गांधी' कहे जाने वाले स्वतंत्रता सेनानी लाला अचिंत राम के पड़पोते हैं। लाला अचिंत राम संविधान सभा के सदस्य थे, जिन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी थी।

विराट के लिए यह विरासत कोई 'प्रिविलेज' नहीं, बल्कि एक कठिन मार्ग है। वे बड़े गर्व और जिम्मेदारी से कहते हैं, 'मेरे परिवार ने पीढ़ियों से देश की सेवा की है, और वही सेवा का जज्बा आज मेरा मार्गदर्शन कर रहा है।' आज का युवा, जो केवल सत्ता के पीछे भागने वाले नेताओं से ऊब चुका है, विराट की इस 'सेवा प्रथम' वाली विचारधारा में एक नई उम्मीद देख रहा है। यही कारण है कि मोदी कैंप उन्हें पंजाब से लेकर दिल्ली तक एक राष्ट्रीय युवा आइकन के रूप में पेश कर रहा है। विराट के भाजपा में आने पर कई सवाल भी उठे, क्योंकि उनके दादा कृष्ण कांत जी ने 1970 के दशक में मूल्यों की राजनीति के लिए कड़े स्टैंड लिए थे। विराट इस पर एक बहुत ही परिपक्व विश्लेषण पेश करते हैं। वे इसे विचारधारा से हटना नहीं, बल्कि उसका 'विकास' मानते हैं। विराट का तर्क है, 'मेरे दादाजी ने अपने दौर की चुनौतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। आज की सच्चाई यह है कि भारत को एक मजबूत और स्थिर नेतृत्व की जरूरत है।' वे मानते हैं कि ईमानदारी और राष्ट्रवाद के जिन मूल्यों के लिए उनके पूर्वजों ने अपना जीवन समर्पित किया, आज उन्हें केवल प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही पूरा किया जा सकता है।

विराट कांत केवल अपनी विरासत के कारण चर्चा में नहीं हैं, बल्कि उनकी अपनी योग्यता भी काफी प्रभावशाली है। दिल्ली विश्वविद्यालय से कॉमर्स और पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून (रुरुक्च) की पढ़ाई करने वाले विराट एक प्रखर वकील हैं। प्रधानमंत्री मोदी से उनकी मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी। विराट बताते हैं कि पीएम मोदी ने उनसे घंटों इस बात पर चर्चा की कि कैसे युवाओं को नीति-निर्माण में आगे आना चाहिए। प्रधानमंत्री का मंत्र 'विश्वास के साथ बड़ी जिम्मेदारी आती है 'आज विराट के राजनीतिक जीवन का आधार बन गया है।

पंजाब आज नशीले पदार्थों, कर्ज और माफिया राज के एक ऐसे भंवर में फंसा है, जहाँ से निकलने के लिए उसे एक नए विजन की जरूरत है। विराट कांत वर्तमान 'आप' सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहते हैं कि 'आज ऐसा लगता है जैसे माफिया नेटवर्क सरकार चला रहा है और राज्य की सत्ता कमजोर पड़ गई है।' वे केवल आलोचना नहीं करते, बल्कि समाधान भी देते हैं। वे स्वतंत्र पुलिसिंग, आधुनिक तकनीक और कृषि विविधीकरण की बात करते हैं। किसानों के मुद्दे पर वे कहते हैं कि एमएसपी की सुरक्षा के साथ-साथ हमें खेती को वैश्विक बाजार के लिए तैयार करना होगा। विराट कांत का भाजपा में उदय इस बात का संकेत है कि पार्टी अब उन शिक्षित और राष्ट्रवादी युवाओं को आगे बढ़ा रही है जो अपनी जड़ों से जुड़े हैं। वे उस 'न्यू इंडिया' के प्रतीक हैं जो अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व करता है और भविष्य की चुनौतियों से लड़ने का दम रखता है। विराट का कहना है कि वे केवल नाम के सहारे नहीं, बल्कि जमीन पर काम करके जनता का विश्वास जीतेंगे। आने वाले समय में, विराट कांत न केवल पंजाब बल्कि पूरे भारत में भाजपा के एक प्रखर और ओजस्वी चेहरे के रूप में दिखाई देंगे।

(विनायक फीचर्स)

ग्रहण, होलिका दहन और रंगोत्सव : शास्त्र सम्मत निर्णय

(आचार्य राजेश-विभूति फीचर्स)

इस वर्ष होली के पर्व पर ग्रहण के चलते असमंजस की स्थिति बनी हुई है ऐसे में शास्त्रों के अनुसार समय और नियमों का पालन करना अत्यंत कल्याणकारी रहेगा। तिथि और समय की गणना के अनुसार विशेष दिशा-निर्देश निम्नलिखित हैं-

होलिका दहन (2 मार्च)

शास्त्रों के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 2 मार्च को सायंकाल 5:27 (गोधूली बेला से पूर्व) प्रारंभ हो रही है। अतः होलिका पूजन और प्रज्वलन 2 मार्च को ही किया जाना शास्त्र सम्मत और शुभ है।

ध्यान दें 3 मार्च को गोधूली बेला से पूर्व ही पूर्णिमा समाप्त हो रही है, निर्णय सिंधु अनुसार तीन पहर व्यापनी पूर्णिमा 3 मार्च को नहीं है इसलिए दहन का मुख्य विधान 2 मार्च को ही मान्य होगा।

रंगोत्सव एवं अनराय की होली

परंपरा के अनुसार, जिस दिन होलिका प्रज्जवलित की जाती है, उसके अगले दिन रंगोत्सव (रंग वाली होली) और अनराय की होली मनाई जाती है।

3 मार्च को ग्रहण का प्रभाव होने के कारण समय का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

ग्रहण, सूतक काल और होली उत्सव

3 मार्च को ग्रहण लगने के कारण सूतक काल के नियमों का पालन करना उचित रहेगा।

1. ठाकुर जी को रंग अर्पण * सूतक काल सुबह 9:20 बजे से प्रारंभ होगा। अतः इससे पूर्व ही भगवान को अबीर-गुलाल अर्पित कर होली उत्सव की शुरुआत कर लेनी चाहिए।

2. होली खेलने का समय * शास्त्रानुसार सूतक काल में होली खेलने (रंग खेलने) में कोई दोष नहीं लगता है।

3. शुभ समय * ग्रहण काल के दौरान मानसिक शांति और सात्विकता बनाए रखना आवश्यक है। इसलिए दोपहर से पूर्व (सूतक के शुरुआती समय में) होली मनाना सबसे उत्तम और शुभ फलदायी होगा।

सरहदों की दीवारों में सिसकती संवेदनाएं

विवेक रंजन श्रीवास्तव

मनुष्य का समूचा इतिहास वस्तुतः उसकी निरंतर गति और अदम्य जिज्ञासा का ही इतिहास है। पुरातन काल के उस आदिम मनुष्य की कल्पना कीजिए, जिसकी आँखों में पूरा आकाश समाया था और जिसके पाँव किसी कृत्रिम सीमा को नहीं पहचानते थे। तब धरती माँ थी, और उसका असीम विस्तार ही 'घर' था। कबीले चलते थे, सभ्यताएँ प्रवास करती थीं और संस्कृतियाँ किसी अविरल बहती नदी की तरह एक-दूसरे में विलीन हो जाती थीं। तब न देशों के बीच कोई कँटीली बाड़ थी, न कोई पासपोर्ट न ही वीजा। मनुष्य की पहचान उसके पदचिह्नों और उसके कर्म से थी, कागज़ के किसी बेजान टुकड़े से नहीं। वह 'स्व' और 'पर' के संकुचित बोध से मुक्त, प्रकृति का एक अभिन्न हिस्सा था।

समय का चक्र घूमा और मनुष्य ने प्रकृति की चुनौतियों को स्वीकार करना सीखा। जब उसने लकड़ी के लट्ठों को जोड़कर पानी पर तैरना सीखा, तो समुद्र की अगाध दूरियां छोटी पड़ने लगीं। वह अन्वेषण का युग था। वास्को-डि-गामा, कोलंबस और मैगेलन जैसे साहसी नाविकों ने केवल नए भूखंड ही नहीं खोजे, बल्कि विचारों और व्यापार के ऐसे सेतु बनाए जिन्होंने दुनिया का नक्शा बदल दिया। जहाज तब केवल मसाले, स्वर्ण या रेशम नहीं ढोते थे, वे अपने साथ दर्शन, कला और जीवन पद्धति, संस्कृति भी ले जाते थे। समुद्र ने देशों को जोड़ा, पर उसी जुड़ाव की कोख से साम्राज्यवाद की महत्वाकांक्षा ने भी जन्म लिया। ताक़तवर राष्ट्रों ने मानचित्रों पर अपनी लकीरें बढ़ानी शुरू कीं और यहीं से 'अधिकार क्षेत्र' की अवधारणा प्रबल हुई।

विज्ञान और तकनीक की उड़ान ने इस विस्तार को नई ऊँचाई दी। राइट ब्रदर्स के सपनों ने जब हवा में पंख फैलाए, तो बादलों के ऊपर से नीचे की सरहदें बौनी और अर्थहीन लगने लगीं। इंटरनेट आया तो लगा कि अब हम सचमुच एक 'वैश्विक ग्राम' (त्वद्यश्ढ्ढद्य ड्ढ्ढद्यद्यड्डद्दद्ग) के नागरिक बन गए हैं। सूचना क्रांति और इंटरनेट ने तो मानो भूगोल की दूरी बहुत बौनी ही कर दी। न्यूयॉर्क की हलचल मुंबई के स्क्रीन पर और बीजिंग का बाज़ार लंदन की गलियों में आ पहुँचा। 'वसुधैव कुटुंबकम्' का प्राचीन भारतीय दर्शन आधुनिक तकनीक के चश्मे से यथार्थ जैसा दिखने लगा।

उदारवाद और वैश्वीकरण ने एक ऐसे भविष्य का सुनहरा स्वप्न दिखाया, जहाँ बाज़ार और मानवता दोनों एक साझी ज़मीन पर खड़े होंगे।

किंतु, इस भौतिक प्रगति के समानांतर एक विडंबना भी अत्यंत सूक्ष्मता से आकार ले रही थी। जैसे-जैसे हमारी संचार गति बढ़ी, हमारी मानसिक संकीर्णता के द्वार भी गहरे होते गए। जिस तकनीक ने हमें 'ग्लोबल' बनाया, उसी ने नियंत्रण की नई प्रणालियाँ भी विकसित कर दीं।

प्रथम विश्व युद्ध के बाद की दुनिया ने 'पासपोर्ट' और 'वीज़ा' जैसे शब्दों को सुरक्षा का कवच बनाया, पर अंततः ये हमारी नैसर्गिक स्वतंत्रता की बेड़ियाँ बन गए। आज मनुष्य एक चलती-फिरती धड़कन और स्वतंत्र चेतना बाद में है, पहले वह डेटा, बायोमेट्रिक्स और दस्तावेज़ों का एक बंडल है। हवाई अड्डों की लंबी कतारें और इमिग्रेशन काउंटरों पर होने वाली पूछताछ उस आधुनिक दासता की प्रतीक हैं, जहाँ आपकी गरिमा आपकी राष्ट्रीयता के 'रैंक' पर निर्भर करती है।

आज का दौर और भी चुनौतीपूर्ण और विरोधाभासी है। हम एक अजीबोगरीब द्वंद्व में जी रहे हैं। एक ओर हम मंगल और चंद्रमा पर बस्तियाँ बसाने की योजना बना रहे हैं, दूसरी ओर अपनी ही धरती पर पड़ोसी के विरुद्ध दीवारें ऊँची कर रहे हैं। वैश्विकता का वह सुंदर स्वप्न अब संकुचित क्षेत्रीय राजनीति के शोर में दम तोड़ रहा है। दक्षिणपंथी सोच और धार्मिक कट्टरपंथ के नए उभार ने मनुष्यता को पुनः कबीलों में बाँट दिया है।

'माय कंट्री फर्स्ट',का नारा सुनने में आकर्षक लग सकता है, पर जब यह 'साझा मानवता' की कीमत पर उछाला जाता है, तो यह आत्मघाती हो जाता है। संरक्षणवाद की आड़ में हम अपनी खिड़कियाँ बंद कर रहे हैं, यह भूलकर कि बंद कमरों में हवा दूषित हो जाती है और सभ्यताएँ सड़ जाती हैं।

कट्टरपंथ का यह नया चेहरा दरअसल हमारे भीतर के गहरे असुरक्षा बोध और 'पराये' के प्रति भय की उपज है। यह भय, दूसरे के धर्म, दूसरी संस्कृति, और दूसरे के विचार के प्रति, हमें सुरक्षित नहीं, बल्कि एकाकी और हिंसक बना रहा है।

आज की राजनीति संवेदनाओं पर हावी है और भूगोल दिलों को बाँट रहा है। संकीर्ण राष्ट्रीयता और कट्टरपंथी विचारधाराएं हमें यह सिखा रही हैं कि जो हमारे जैसा नहीं दिखता या नहीं सोचता, वह हमारा शत्रु है। यह सोच उस 'वैश्विक ग्राम' की जड़ों में मट्ठा डालने जैसा है, जिसे हमने बड़ी उम्मीदों से सींचा था।

हमें यह समझना होगा कि धरती पर खींची गई लकीरें प्रशासन की सुविधा के लिए तो हो सकती हैं, पर वे आत्मा की जेल नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रों की सुरक्षा अनिवार्य है, पर मनुष्यता का गला घोंटकर नहीं। एक पक्षी जब बिना वीज़ा के सीमा पार करता है, तो वह हमारी व्यवस्थाओं पर हँसता प्रतीत होता है। हवाओं, खुशबू और संगीत का कोई पासपोर्ट नहीं होता, क्योंकि प्रकृति जानती है कि विस्तार ही जीवन है और संकुचन ही मृत्यु।

यह समय आत्ममंथन का है। यह समय आह्वान है, उस 'मानवीय चेतना' की ओर लौटने का, जहाँ करुणा का कोई भौगोलिक मानचित्र न हो। हमें अपनी पहचान के साथ-साथ अपनी सार्वभौमिक मानवता को भी बचाना होगा। जिस दिन एक इंसान दूसरे के दुख को बिना उसकी राष्ट्रीयता या धर्म पूछे महसूस करेगा, उसी दिन ये 'दिलों की दूरी' समाप्त होगी। सरहदें नक्शों पर सुशोभित हों तो ठीक, पर उन्हें संवेदनाओं के बीच नहीं खड़ा होना चाहिए। याद रहे, मानचित्र मनुष्य की रचना है, पर मनुष्यता उस असीम चेतना की संरचना है, जिसका विभाजन संभव नहीं है।

(विभूति फीचर्स)

संक्षिप्त समाचार

आईटीआई में प्राप्त प्रशिक्षण से जॉब पाने में मिली सफलता

विदिशा (निप्र)। मनीष राजुरकर प्रभातपटटन जिला बेतूल निवासी हैं। उन्होंने सत्र 2022-24 में शासकीय आईटीआई विदिशा से मैकेनिक मोटर व्हीकल ट्रेड में आईटीआई पूर्ण की। उनकी रूची हमेशा से ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रही है। आईटीआई के प्रशिक्षण में उन्हें ऑटोमोबाइल क्षेत्र के विषय में सीखने को मिला और उनका कौशल वर्धन हुआ। आईटीआई कोर्स सफलतापुर्वक पूर्ण करने के बाद वर्तमान में वह सी एएसई रेलवे सीएनएच पिथमपुर जिला धार (मप्र) में ट्रेनी अप्रेंटिस के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में उनका वेतन (12500 रुपये, बोनस) है। जॉब मिलने की वजह से उनका आत्मविश्वास बढ़ गया है। और वह अपना खर्च स्वयं वहन कर पा रहे हैं एवं भविष्य में परिवार को भी वित्तीय सहायता प्रदान कर सकेंगे।

राज्य पात्रता परीक्षा-2025: नर्मदापुरम संभाग के लिए संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर की राज्य पात्रता परीक्षा-2025 का आयोजन 1 मार्च 2026 को एक सत्र में दोपहर 12:00 से 03:00 बजे तक जिला मुख्यालय के 11 परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। इस परीक्षा की प्रक्रियात्मक, निष्पक्षता और नागरिकों में उसके प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए प्रो0 (डॉ) बिपिन बिहारी ब्यौहार, पूर्व अध्यक्ष, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग को नर्मदापुरम संभाग के संभागीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। तत्संबंध में कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना ने संभागीय पर्यवेक्षक के लिए जिले में स्थित समस्त परीक्षा केन्द्रों के भ्रमण के लिये सक्षम अधिकारी के रूप में श्री देवेश मरकाम, जिला खनिज अधिकारी, नर्मदापुरम को लायजनिंग अधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण के लंबित प्रकरणों की संभागायुक्त ने की समीक्षा

बैतूल (निप्र)। संभागायुक्त नर्मदापुरम श्री कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत पुलिस थानों में दर्ज प्रकरणों की संभाग स्तरीय सतर्कता, सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक बैतूल में आयोजित की गई। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक श्री मिथलेश कुमार शुक्ला , मुख्य वन संरक्षक श्री मधु वी. राज, वन संरक्षक श्री अशोक कुमार, कलेक्टर बैतूल श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक बैतूल श्री वीरेंद्र जैन, कलेक्टर हरदा श्री सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक हरदा, पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम, डीएफओ श्री नवीन गर्ग, डीएफओ श्री लक्ष्मीकांत वासनिक सहित बैतूल, हरदा एवं नर्मदापुरम जिलों के जिला पंचायत सीईओ, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संभागायुक्त श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि जाति प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज विवेचनाधीन प्रकरण लंबित न रहें। उन्होंने ऐसे मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीड़ितों को देय राहत राशि के भुगतान की कार्यवाही प्राथमिकता से पूर्ण करने पर बल दिया। साथ ही अत्याचार निवारण हेतु गठित जिला स्तरीय एवं उपखंड स्तरीय समितियों की नियमित बैठकें आयोजित कर मामलों की सतत समीक्षा करने के निर्देश दिए। बैठक में चिन्हित एवं सनसनीखेज अपराधों की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए, ताकि प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

नारकोटिक्स एवं नशीली दवाओं की रोकथाम हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिले में नारकोटिक्स एवं नशीली दवाओं की रोकथाम हेतु कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता द्वारा जिले में नारकोटिक्स एवं नशीली दवाओं की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से मेडिकल की दुकानों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि मेडिकल दुकानों पर डॉक्टर के प्रिसक्रिपशन के बिना दवाओं या सीरप का वितरण नहीं हो, यह भी सुनिश्चित कराएं। बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग के महाप्रबंधक को बंद पड़ी फैक्ट्रियों एवं कारखानों का भी सतत् निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। इनके अतिरिक्त जिले में अफीम, भांग आदि की अवैध खेती की निगरानी एवं नियंत्रण हेतु कृषि विभाग और आबकारी विभाग के अधिकारियों को लगातार भ्रमण करने के निर्देश दिए गए।

दो दिवसीय बैतूल प्रवास पर आए ब्रिगेडियर अरुण नायर ने पूर्व सैनिकों की सुनीं समस्याएं

बैतूल (निप्र)। सैनिक कल्याण मप्र भोपाल संचालक, ब्रिगेडियर अरूण नायर सेना मेडल (से.नि.) ने 25 और 26 फरवरी को बैतूल, मूलताई एवं सारणी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व सैनिकों, शहीदों की पत्नियों एवं उनके आश्रितों से मुलाकात कर केंद्र और मप्र शासन द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने लगभग 300 पूर्व सैनिकों से सीधे भेंट कर उनका हालचाल जाना एवं उनकी समस्याओं का निदान किया। संचालक द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि मप्र. शासन की योजनाएं पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण में अन्य प्रदेशों की तुलना में अग्रणी है। कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियानवयन के लिए संचालनालय सैनिक कल्याण म.प्र. भोपाल को माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्व सैनिकों के कल्याण में उत्कृष्ट योगदान देने में शीर्ष प्रदर्शन के लिए श्रेष्ठ राज्य सैनिक बोर्ड पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। संचालक द्वारा ग्राम मोही एवं मुलताई में द्वितीय विश्व युद्ध में शहीदों की पत्नियों से भेंटकर उनका सम्मान किया। वहीं द्वितीय विश्वयुद्ध के पूर्व सैनिकों के विभिन्न देशों में किए गए उत्कृष्ट सैन्य सेवा के लिये उन्हें नमन किया। उन्होंने ईसीएचएस कैम्प मुलताई में ईसीएचएस टीम की कार्यप्रणाली की सराहना की एवं ईसीएचएस पैनल में अस्पताल के लिये मार्गदर्शन दिया। संचालक द्वारा जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में पूर्व सैनिक सम्मेलन को सम्बोधित कर संचालनालय सैनिक कल्याण मप्र द्वारा जारी बहुउद्देशीय कैलेंडर समस्त पूर्व सैनिकों को वितरित किए। इस कैलेंडर में निर्मित अलग-अलग प्रकार के क्यूआरकोड से बहुउद्देशीय जानकारी जैसे देश भर में स्थित सैनिक विश्राग गृह, रेल सुविधा हेतु एमसीओ, स्पर्श, पारिवारिक पेंशन, जीवन प्रमाण, अभिलेख कार्यालय, पीपीओ संसोधन, म.प्र सैनिक कल्याण पोर्टल इत्यादि की संपूर्ण जानकारी एक क्लिक से घर बैठे अपने मोबाईल पर उपलब्ध होगी। इस दौरान उन्होंने जिला सैनिक कल्याण कार्यालय बैतूल के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर कैप्टन भारतीय नौसेना सुमीत सिंह (से.नि.), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बैतूल जिले के समस्त पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों का आभार व्यक्त किया।

श्रमिकों के लिए सुरक्षा एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

रायसेन (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा पर्यटन नगरी सांची में एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से जल प्रदाय परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। परियोजना के विभिन्न घटकों के निर्माण स्थलों पर कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समय-समय पर जागरूकता और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में परियोजना प्रबंधक श्री सुबोध जैन के मार्गदर्शन में श्रमिकों के लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए।

कलेक्टर के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की सघन कार्रवाई

त्योहारों के दृष्टिगत मिठाई दुकानों पर 10 नमूने संग्रहित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में मिठाई, खोवा एवं अन्य दुग्ध उत्पाद विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में इटारसी स्थित प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इटारसी में स्थित गगन स्वीट्स की निर्माण यूनिट, बीकानेर स्वीट्स, विमल स्वीट एवं किशोर रेस्टोरेंट के निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मावा कतली, बर्फी, केसर बर्फी, मलाई बर्फी, राजस्थानी बर्फी, मिल्क केक, मगध लड्डू, मावा पेड़ा, शाही मिल्क केक एवं पेड़ा सहित कुल 10 खाद्य नमूने संग्रहित किए गए। इसके अतिरिक्त चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से 27 नमूनों की मौके पर ही स्पॉट जांच की गई। सभी व्यावसायियों को स्वच्छता बनाए रखने एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। संग्रहित नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत न्यायालयीन कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा मावा, मिठाई एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के निर्माण, परिवहन एवं भंडारण पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है, ताकि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार एवं जितेंद्र सिंह राणा सहित अन्य खाद्य सुरक्षा अमला उपस्थित रहा।

शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई में पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन

बैतूल (निप्र)। शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई कोसमी में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप 18 वर्ष से अधिक आयु की युवतियों के लिए आयोजित किया गया। शिविर में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री गौतम अधिकारी द्वारा बालिकाओं के लिए संचालित समस्त विभागीय योजनाओं तथा मार्शल आर्ट प्रशिक्षण की जानकारी दी गई। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती अनामिका तिवारी द्वारा वन स्टाप सेंटर की जानकारी बालिकाओं को दी गई एवं वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा जिला परिवहन कार्यालय के अक्षय राने द्वारा पिंक लाइसेंस बनाने एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई। शिविर में पिंक लाइसेंस बनाने के लिए बालिकाओं के ऑनलाइन आवेदन किए गए। शिविर में महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री गौतम अधिकारी, जिला परिवहन कार्यालय के श्री अक्षय राने, महिला आईटीआई प्राचार्य श्री अजीश पंद्रे, वन स्टाफ केंद्र की प्रशंसक श्रीमती अनामिका तिवारी एवं शहरी परियोजना अधिकारी श्री निरंजन सिंह डोडवे उपस्थित थे।

किसान हीरालाल सिंह लोधी की बदली तस्वीर

विदिशा (निप्र)। खेती में सिंचाई की समस्या लंबे समय से किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती रही है। विशेष रूप से रबी सीजन में पानी की कमी के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अब किसान न केवल अपनी फसल बचा रहे हैं, बल्कि आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि कर रहे हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी है विदिशा जिले के किसान श्री हिरालाल सिंह लोधी की, जिनका जीवन राज्य पोषित नलकूप खनन योजना से बदल गया। श्री लोधी बताते हैं कि पहले उनके खेत में सिंचाई का कोई स्थायी साधन नहीं था। हर वर्ष उन्हें फसल के लिए पानी की समस्या का सामना करना पड़ता था। पानी की कमी के कारण फसल उत्पादन कम होता था और कई बार फसल खराब भी हो जाती थी, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। इसी दौरान उन्हें कृषि विभाग के माध्यम से राज्य पोषित नलकूप खनन योजना की जानकारी मिली। योजना के अंतर्गत उन्होंने आवेदन किया, जिसके बाद उन्हें नलकूप खनन के लिए शासन से 40 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। इस सहायता से उन्होंने अपने खेत में नलकूप का निर्माण कराया और सिंचाई की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की। नलकूप बनने के बाद उनके खेत में पूरे वर्ष सिंचाई संभव हो सकी। परिणामस्वरूप फसल उत्पादन में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। साथ ही पहले जहां सिंचाई के लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़ता था, वह खर्च भी बचने लगा। इससे उन्हें लगभग 30 हजार रुपये तक की अतिरिक्त बचत होने लगी और उनकी कुल आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। श्री हिरालाल सिंह लोधी ने बताया कि अब वे समय पर फसल की सिंचाई कर पा रहे हैं, जिससे फसल की गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। उन्होंने शासन की इस योजना के लिए आभार व्यक्त करते हुए अन्य किसानों से भी इसका लाभ लेने की अपील की है।

कृषि विभाग का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। राज्य पोषित नलकूप खनन योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है, जिससे जिले के अनेक किसान लाभान्वित होकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहे हैं।

विदिशा में अवैध गैस रिफिलिंग पर कार्रवाई

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में अवैध गैस रिफिलिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने बताया कि बुधवार को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मिताली मेहरा एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी पिंकी शाक्य के नेतृत्व में अटारी खेजड़ा में छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान श्री राजेश कुमार दांगी पिता कल्याण सिंह दांगी के निवास से अवैध रूप से रखे गए कुल 22 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इनमें 11 भरे हुए घरेलू सिलेंडर, 4 आंशिक भरे घरेलू सिलेंडर, 3 व्यावसायिक सिलेंडर तथा 5 छोटे (5 किलोग्राम) गैस सिलेंडर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त मौके से 2 गैस रिफिलिंग मशीन मय नोजल पाइप तथा 12 घरेलू गैस उपभोक्ताओं की पासबुक भी जब्त की गई। जब्त सामग्री का कुल अनुमानित मूल्य लगभग 66 हजार रुपये बताया गया है।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने किए जा रहे कार्यो और गतिविधियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता द्वारा गत बैठक के पालन प्रतिवेदन अनुसार की गई कार्यवाही और दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं को रोकने किए जा रहे कार्यो की भी जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री गुप्ता ने जिले में ब्लैक स्टॉप के रूप में चिन्हित किए गए दुर्घटना संभावित स्थल रायसेन-सांची मार्ग पर आमखेड़ा पेट्रोल पम्प के समीप, बेरखेड़ी चौराहा से शाहपुर जोड़ तक, खरबई घाटी, बरेली मार्ग में मोरपार जोड़, बाबई जोड़ तथा उमरिया जोड़ सहित अन्य ब्लैक स्टॉप के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने विभिन्न उपायों पर चर्चा करते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्कूल, चिकित्सालय सहित अन्य स्थलों के समीप सड़कों पर कैट आई, विभिन्न संकेतक चिन्ह या साइन बोर्ड, रैलिंग लगाने के भी निर्देश दिए। बैठक में स्कूल, कॉलजों तथा सार्वजनिक स्थलों पर भी यातायात नियमों तथा सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता गतिविधियां आयोजित किए जाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 के प्रकरणों पर भी चर्चा की गई। साथ ही योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराने के भी निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त सड़क दुर्घटना पीड़ितों के कैशलेस इलाज हेतु शुरू की गई कैशलेस पीएम राहत योजना का भी विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार कराने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान डीएफओ श्रीमती प्रतिभा शुक्ला द्वारा वन क्षेत्र में आग लगने की घटनाओं की जानकारी देते हुए वन क्षेत्र में आग लगने की घटनाओं को रोकने हेतु किए जा रहे प्रयासों तथा आग लगने पर त्वरित नियंत्रण हेतु तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। बैठक में वन भूमि तथा वन भूमि से लगी हुई भूमि में अवैध खनन् की गतिविधियों की रोकथाम पर भी चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार, यातायात प्रभारी लता मालवीय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण एवं पुनर्वास से जुड़े विभिन्न मामलों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाल संरक्षण से संबंधित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने भी बच्चों से जुड़े मामले में त्वरित कार्यवही के लिये आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में संरक्षण एवं पुनर्वास के मामले में कलेक्टर ने कहा कि बच्चों के प्रकरणों में कार्यवाही को तेज गति से संचालित करने के लिये अधिकारी स्वयं बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर दस्तावेज अथवा आवश्यक जानकारी एकत्र करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ बच्चों के हित में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों को जरूरतमंद बच्चों की पहचान, स्वास्थ्य परीक्षण, दस्तावेज उपलब्ध कराने तथा योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि 'बाल आशीर्वाद योजना' अंतर्गत 335 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 331 बच्चों के अनुश्रवण की कार्यवाही की गई है। बैठक में मिशन वात्सल्य अंतर्गत संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। जानकारी दी गई कि पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना से 04, मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना से 16, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना से 105 तथा स्पॉन्सरशिप एवं फॉस्टर केयर योजना से 855 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। बैठक में डीएफओ श्रीमती अर्चना पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश खरे सहित बाल कल्याण समिति के सदस्य और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बाल श्रम के विरुद्ध पिपरिया में चलाया गया संयुक्त जन-जागरूकता अभियान

दो स्थानों से बाल श्रमिक विमुक्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार बाल श्रम की पहचान एवं विमुक्ति के उद्देश्य से गुरुवार को पिपरिया शहर में संयुक्त जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान श्रम विभाग के नेतृत्व में पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के सहयोग से संचालित किया गया। अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। मंगलवारा चौराहा स्थित एक पिचकारी दुकान पर एक किशोर श्रमिक कार्यरत पाया गया। श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू द्वारा बालक एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए संबंधित बाल श्रमिक को दो दिनों के कार्य की मजदूरी राशि 1000 रुपये (एक हजार मात्र) का भुगतान कराया गया। इसके पश्चात टीम द्वारा रायखेड़ी टोला स्थित ईंट-भट्टों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मजदूर परिवार सहित

निवासरत पाए गए। अधिकारियों द्वारा मजदूरों के बच्चों को आंगनबाड़ी एवं विद्यालय भेजने के निर्देश दिए गए। सुपरवाइजर श्रीमती मंजूला जैन दुबे ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संजू मालवीय को बच्चों को आंगनबाड़ी से जोड़ने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। प्रजापति ईंट-भट्टा, रायखेड़ी टोला पर 12 वर्ष 10 माह आयु की एक बाल श्रमिक कार्यरत पाई गई। इस पर श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू द्वारा बालक एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई की गई तथा बाल श्रमिक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस संयुक्त कार्रवाई में श्रीमती मंजूला जैन दुबे (सुपरवाइजर, पिपरिया), श्री अजीज खान (जन शिक्षक, पिपरिया), श्री नरेन्द्र सिंह तोमर (प्रधान आरक्षक, मंगलवारा थाना पिपरिया), श्री भुजराम सिंह (स्ट्रक्क इटारसी), आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संजू मालवीय एवं सहायिका रेखा अहिरवार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत 14 वर्ष तक के बालकों का किसी भी प्रकार के कार्य में नियोजन पूर्णतः प्रतिबंधित है। वहीं 14 से 18 वर्ष तक के किशोरों को खतरनाक श्रेणी के कार्यों जैसे ज्वलनशील पदार्थ, विस्फोटक सामग्री एवं अन्य परिसंकटमय प्रक्रियाओं में नियोजित करना कानूनन अपराध है। अधिनियम के उल्लंघन की स्थिति में दोषी नियोजक के विरुद्ध न्यूनतम 6 माह से अधिकतम 2 वर्ष तक का कारावास अथवा न्यूनतम 20,000 रुपये से अधिकतम 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों दंड का प्रावधान है।

त्यौहार एवं स्नान पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु

नर्मदापुरम (निप्र)। मार्च माह में आयोजित होने वाले प्रमुख त्यौहार / स्नान पर्व 02 मार्च को होलिका दहन/स्नानदान वृत पूर्णिमा (स्नान पर्व), 03 मार्च को घुरेंडी (02 मार्च अथवा 03 मार्च होली उत्सव), 04 मार्च को बसंत उत्सव, 08 मार्च को रंगपंचमी, 18 मार्च को चैत्र अमावस्या, 19 मार्च को चैत्र नवरात्र प्रारंभ गुडी पड़वा, 20 मार्च को झूलेलाल जयंती/चैती चांद, 21 मार्च को ईद-उल-फित्तर, 27 मार्च रामनवमी/श्री दुर्गा नवमी एवं 31 मार्च महावीर जयंती के अवसर पर अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम श्री राजीव रंजन पाण्डे ने कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु कार्यपालिक दण्ड अधिकारियों एवं अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण कर वहां संपादित किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली सूचनाओं के संकलन, पंजीयन एवं संबंधित विभागों तक उनके त्वरित संप्रेषण की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली, ड्यूटी रोस्टर, सूचना प्राप्ति के माध्यमों एवं उनके निराकरण की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली प्रत्येक सूचना का समय पर संज्ञान लिया जाए तथा संबंधित विभागों को तत्काल अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम शासन और आमजन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए यहां कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

● सिम कार्ड से लेकर एलपीजी पीजी और रेलवे ऐप तक

1 मार्च से बदल रहे नियम

मुंबई, एजेंसी। हर महीने की 1 तारीख को कुछ ना कुछ वित्तीय बदलाव होते ही हैं। जिसका सीधा असर हमारी आपकी जेब पर पड़ता है। 1 मार्च 2026 से भी कई नियमों में बदलाव हो रहे हैं। सिम कार्ड से लेकर रेलवे तक कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है। आइए जानते हैं क्या-क्या बदलाव होगा। हर महीने की 1 तारीख को कुछ ना कुछ वित्तीय बदलाव होते ही हैं। जिसका सीधा असर हमारी आपकी जेब पर पड़ता है। 1 मार्च 2026 से भी कई नियमों में बदलाव हो रहे हैं। सिम कार्ड से लेकर रेलवे तक कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है। आइए जानते हैं क्या-क्या बदलाव होगा।

सिम बाइंडिंग नियम

मोबाइल यूजर्स के लिए यह जरूरी अपडेट है। 1 मार्च 2026 से नियम लागू हो रहा है। इस नियम के अनुसार अब व्यक्ति को ह्वाट्सएप और अन्य मैसेजिंग एप्स के अकाउंट को एक्टिव सिम कार्ड से जोड़ा जरूरी हो जाएगा। जिस मोबाइल में यह एप्स चल रहे हैं उसी मोबाइल में सिम कार्ड का भी होना आवश्यक होगा।

- **रेलवे बंद कर रहा है यह ऐप-** 1 मार्च 2026 से रेलवे अपना पुराना यूटीएस एप बंद कर रहा है। जिसकी वजह से यात्री अब इसका इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। इसकी जगह यात्रियों को ऐप को उपयोग करना होगा। इस ऐप से यात्री अनारक्षित टिकट और प्लेटफॉर्म टिकट की बुकिंग कर पाएंगे।
- **एलपीजी की कीमतें-** हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी की नई कीमतें जारी होंगे। होली के त्योहार को देखते हुए लोग उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार की तरफ से एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती हो। अब देखना है कि सरकार की तरफ से ऐसा कोई फैसला होता है या नहीं
- **सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में बदलाव-** 1 मार्च 2026 को सीएनपी और पीएनजी की कीमतों को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आएगा। सरकार की तरफ से नई कीमतें 1 मार्च को जारी की जा सकती हैं। इसके अलावा एटीएफ की कीमतों का भी ऐलान किया जा सकता है।
- **मिनिमम बैलेंस नियम-** देश कई सरकारी बैंक ने मिनिमम बैलेंस के नियम में लोगों को बड़ी राहत दी है। अब मिनिमम बैलेंस का पैमाना पूरे महीने के औसत बैलेंस से पता किया जाएगा। ऐसे में भले ही महीने के शुरुआत में आपका बैलेंस कम हो। लेकिन आप इसे महीने के आखिरी में मैनेज कर सकते हैं।
- **यूपीआई ट्रांजैक्शन-** डिजिटल पेमेंट में हो रहे फ्रॉड को देखते हुए सुरक्षा का नियमों को और कड़ा किया जा सकता है। बैंक अधिक राशि के ट्रांजैक्शन के लिए अतिरिक्त वेरिफिकेशन लागू करने की तैयारी में है।

बिना इनकम टैक्स के दुबई बना इतना अमीर सरकार करती है अरबों की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में दुबई अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल और टैक्स-फ्री सैलरी के लिए जाना जाता है। आम तौर पर किसी भी देश की सरकार अपनी जनता से वसूले गए इनकम टैक्स से चलती है लेकिन दुबई में यह नियम लागू नहीं होता। इसके बावजूद दुबई का इंफ्रास्ट्रक्चर और सरकारी खजाना दुनिया के सबसे मजबूत देशों में से एक है। आखिर बिना इनकम टैक्स के दुबई इतना अमीर कैसे है आइए समझते हैं इसकी कमाई के 4 मुख्य स्तंभ। वीजा और परमिट- दुबई में रहने वाले लाखों प्रवासियों को वीजा, रेजिडेंसी परमिट और वर्क ऑथराइजेशन के लिए भारी फीस चुकानी पड़ती है। सख्त फाइन सिस्टम- ट्रैफिक नियमों या सार्वजनिक नियमों को तोने पर यहां का ऑटोमेटेड सिस्टम भारी जुर्माना वसूलता है जो सीधे सरकारी खजाने में जाता है। भले ही आम आदमी की सैलरी पर टैक्स न हो लेकिन बे बिजनेस और मुनाफे पर सरकार की नजर रहती है- होटलों में रुकने, रेस्तरां में खाना खाने और मनोरंजन गतिविधियों पर सरकार टूरिज्म लेवी वसूलती है। दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। यहां से गुजरने वाला हर यात्री डिपार्चर और सर्विस चार्ज देता है जिससे सरकार को अरबों की कमाई होती है।

लोग सोना गिरवी कर धड़ल्ले से ले रहे हैं लोन

एक ही महीने में सवैया हुआ गोल्ड लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है और इसके साथ ही गोल्ड लोन में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिली है। जनवरी में इसमें 128 फीसदी तेजी आई जबकि पिछले साल जनवरी में यह 91 फीसदी बढ़ा था। आरबीआई के शुक्रवार को आए आंकड़ों में यह बात सामने आई है। गोल्ड जूलरी के अगेंस्ट आउटस्टेंडिंग लोन पहली पार 4 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। 31 जनवरी तक यह 4,00,517 करोड़ रुपये था।

जनवरी में बैंक क्रेडिट ग्रोथ 14.4 प्रतिशत रही। आंकड़ों के मुताबिक पर्सनल लोन बाकी सभी सेगमेंट पर भारी रहा। 34.5 फीसदी के साथ बैंक क्रेडिट में

इसकी एक तिहाई हिस्सेदारी है। इसके बाद सर्विसेज का नंबर है जिसमें एनबीएफसी को लेंडिंग में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। इंक्रिमेंटल बैंक क्रेडिट में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी 9 फीसदी रही। 26 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2026 के बीच आउटस्टेंडिंग क्रेडिट में 3.1 लाख करोड़ रुपये की तेजी आई है। पिछले दो साल में सोने की कीमत में 152 फीसदी तेजी आई है।

टैरिफ का असर

साल के पहले महीने में रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में 62 फीसदी तेजी आई। आरबीआई ने बैंकों के लिए इस सेक्टर को लोन देना अनिवार्य कैटगरी में डाल रखा है। जनवरी में एक्सपोर्ट क्रेडिट में 17.2 फीसदी गिरावट आई जबकि पिछले साल जनवरी में यह 7 फीसदी बढ़ा था। अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के कारण ऐसा हुआ है। ओवरऑल नॉन-फूड क्रेडिट 14 फीसदी बढ़ा। एक साल पहले इसमें 11 फीसदी तेजी आई थी। रिटेल लोन में जनवरी में 15 फीसदी तेजी आई जबकि पिछले साल यह 12 फीसदी बढ़ा था। रिटेल में एजुकेशन लोन दूसरे सबसे तेजी से बढ़ा सेगमेंट रहा। जनवरी में इसमें 14 फीसदी तेजी आई जबकि पिछले साल जनवरी में इसमें 16 फीसदी तेजी आई थी। कॉरपोरेट सेक्टर ग्रोथ में जनवरी में 12 फीसदी तेजी रही जबकि एक साल पहले यह 8 फीसदी की रफ्तार से बढ़ा था। जेम्स एंड जूलरी और इंजीनियरिंग सेक्टर में एक बराबर 36 फीसदी तेजी आई। इंडस्ट्रीज के भीतर ये सबसे तेजी से बढ़ने वाले सेगमेंट रहे।

हरित इस्पात अनिवार्य करने से 2030 तक 1.6 करोड़ टन मांग संभव

, कार्बन उत्सर्जन में आएगी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी परियोजनाओं में हरित इस्पात का इस्तेमाल 26 प्रतिशत तक अनिवार्य करने से 2030 तक 1.6 करोड़ टन तक ग्रीन स्टील की मांग बढ़ सकती है। इससे एक तरफ जहां कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी, वहीं दूसरी तरफ घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट में यह कहा गया। सीआईआई-ग्रीन बिजनेस सेंटर द्वारा विकसित और क्लाइमेट कैटालिस्ट द्वारा समर्थित उद्योग तत्परता आकलन रिपोर्ट में पाया गया है कि हरित इस्पात को अनिवार्य किये जाने पर देश हरित इस्पात की सार्वजनिक खरीद (जीपीपी) व्यवस्था को अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस कदम से वित्त वर्ष 2027-28 से प्रमाणित निम्न-कार्बन इस्पात के लिए देश का पहला बड़े पैमाने पर, सुनिश्चित बाजार बनाने में मदद मिल सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक खरीद पर प्रतिवर्ष लगभग 45 से 50 लाख करोड़ रुपए खर्च होते हैं और सरकारी परियोजनाओं में लगभग 3.16 करोड़ टन स्टील की खपत होती है। इससे वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग सात करोड़ टन कार्बन (सीओ2) उत्सर्जन हुआ। अध्ययन के अनुसार, यदि केवल 26 प्रतिशत का मामूली अनिवार्य लक्ष्य भी तय किया जाए तो वित्त वर्ष 2029-30 तक प्राथमिक और द्वितीयक इस्पात उत्पादकों से 1.6 करोड़ टन प्रमाणित ग्रीन स्टील की मांग उत्पन्न हो सकती है। इससे देश में उद्योगों में कार्बन उत्सर्जन में तेजी से कमी लाने में मदद मिलेगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता भी मजबूत होगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर यह लक्ष्य और बढ़ाकर 37 प्रतिशत रखा जाए तो मांग 2.4 करोड़ टन तक पहुंच सकती है। इससे 2030 तक 2.97 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई जा सकती है।

सीआईआई के कार्यकारी निदेशक और ग्लोबल इकोलेबलिंग नेटवर्क बोर्ड के चेयरमैन के.एस. वेंकटगिरी ने कहा, हरित सार्वजनिक खरीद नीति से भारत के इस्पात उद्योग को कम-कार्बन उत्सर्जन वाले उत्पादन की ओर ले जाने में मदद मिलेगी। इससे पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी, बाजार में हरित इस्पात को बढ़ावा मिलेगा और नई प्रौद्योगिकियों में निवेश बढ़ेगा। उन्होंने कहा, यह नीति इस्पात उद्योग की प्रतिस्पर्धा भी मजबूत करेगी और भारत के जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप है। क्लाइमेट कैटलिस्ट की निदेशक साक्षी बलानी ने कहा, यह अध्ययन एक बात बिल्कुल साफ कर देता है कि अगर सरकार हरित इस्पात के इस्तेमाल का एक स्पष्ट नियम बना दे, तो देश का इस्पात क्षेत्र किसी भी सरकारी सब्सिडी या नई प्रौद्योगिकी से कहीं ज्यादा तेजी से बदल सकता है।

गोल्ड की तेज रफ्तार, 1,800 उछला सोना, चांदी 2,500 रुपए सस्ती

नईदिल्ली, एजेंसी। आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की ताजा लिवाली से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,800 रुपए बढ़कर 1,64,700 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। दिल्ली में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बृहस्पतिवार को 1,62,900 रुपए प्रति 10 ग्राम रही थी। एचडीएफसी

सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा कि मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बीच सोने की कीमत बढ़ी। बाजार में बढ़ते अमेरिकी व्यापार संरक्षणवाद और स्थिर डॉलर के मुकाबले पश्चिम एशिया में लगातार तनाव का असर है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक टकराव और शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता ने सुरक्षित निवेश की मांग को जारी रखा। हालांकि, सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही, और यह 2,70,500 रुपए प्रति किलोग्राम के पिछले बंद भाव से 2,500 रुपए यानी लगभग एक प्रतिशत टूटकर 2,68,000 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) पर रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर चांदी 1.42 डॉलर यानी 1.6 प्रतिशत बढ़कर 89.72 डॉलर प्रति औंस रही। हालांकि, सोना थोड़ा घटकर 5,172.17 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

बदल जाएंगे टिकट बुकिंग, यूपीआई, एलपीजी, वाट्सएप, टेलीग्राम से जुड़े नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। रविवार, 1 मार्च से कई अहम नियम लागू होने जा रहे हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। ऑनलाइन टिकट बुकिंग से लेकर यूपीआई पेमेंट, सिम बाइंडिंग और एलपीजी-सीएनजी के दाम तक-कई मोर्चों पर बदलाव तय हैं। 1 मार्च से यात्रियों को बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अब जनरल क्लास और प्लेटफॉर्म टिकट की ऑनलाइन बुकिंग इंडियन रेलवे के यूटीएस ऐप से नहीं की जा सकेगी। केवल रेल वन मोबाइल ऐप से ही जनरल और प्लेटफॉर्म टिकट बुक की जा सकेगी। यात्रियों को पहले से नया ऐप डाउनलोड कर रजिस्ट्रेशन पूरा करने की सलाह दी गई है।

डिजिटल भुगतान को और सुरक्षित बनाने के लिए 1 मार्च से बड़े अमाउंट के

यूपीआई ट्रांजैक्शन पर अतिरिक्त सुरक्षा लागू होगी। तेल विपणन कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को कीमतों की समीक्षा करती हैं। 1 मार्च को एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी और एटीएफ के दामों में बढ़ोतरी या कटौती संभव है। इसका असर घरेलू बजट से लेकर हवाई टिकट की कीमतों तक पड़ सकता है।

चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टलने से टाटा ट्रस्ट के प्रस्ताव पर उठे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन पद पर लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टलने से समूह के भीतर शीर्ष स्तर पर मतभेद से जुड़ी अटकलें तेज हो गई हैं। टाटा संस के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में चंद्रशेखरन को एक और कार्यकाल देने के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी। टाटा समूह से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह निर्णय स्थगित होने से टाटा ट्रस्ट के उस सर्वसम्मत प्रस्ताव की स्थिति पर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की चेयरमैन पद पर दोबारा नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं। बताया जाता है कि उन्होंने समूह की कुछ कंपनियों, विशेषकर एयर इंडिया में हो रहे घाटे पर चिंता जताई। एयर इंडिया का अधिग्रहण 2022 में किया गया था और कंपनी को पुनर्गठित करने की प्रक्रिया अभी तक जारी है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर और बैटरी विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों में भारी पूंजीगत व्यय से जुड़े जोखिमों पर भी उन्होंने सवाल उठाए। सूत्रों ने यह भी कहा कि नियामकीय बाध्यता की वजह से टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने को लेकर भी निदेशक मंडल में आशंका जताई गई और इस संबंध में स्पष्ट आश्वासन मांगा गया।

फिनो पेमेंट्स बैंक के सीईओ गिरफ्तार

शेयर बाजार में लिस्टेड है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। फिनो पेमेंट्स बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ ऋषि गुप्ता को गिरफ्तार कर लिए गए हैं। सीजीएसटी और एसजीएसटी अधिनियमों के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। अब सोमवार को बैंक के शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी।

शेयर बाजार में लिस्टेड-फिनो पेमेंट्स बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ ऋषि गुप्ता गिरफ्तार कर लिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को सीजीएसटी और एसजीएसटी अधिनियमों के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया।

क्या कहा बैंक ने- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के लिस्टिंग नियमों के विनियम 30 के तहत एक एक्सचेंज डिस्क्लोजर में बैंक ने स्पष्ट किया कि यह जांच एक व्यापारिक साझेदार से संबंधित है और इसका उसके अपने जीएसटी अनुपालन से कोई संबंध नहीं है। बैंक ने कहा कि वह स्थिति से निपटने और

उससे उबरने के लिए सक्रिय रूप से उचित कदम उठा रहा है। बैंक ने आगे बताया कि मुख्य वित्तीय अधिकारी केतन मर्चेंट को संगठन का नेतृत्व करने और दैनिक कार्यों की देखरेख करने के लिए नियुक्त किया गया है।

स्मॉल फाइनेंस बैंक की मंजूरी- हाल ही में फिनो पेमेंट्स बैंक को स्मॉल फाइनेंस बैंक के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिली है। फिनो पेमेंट्स बैंक को स्मॉल फाइनेंस बैंक में परिवर्तित करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई। फिनो पेमेंट्स बैंक ने अक्टूबर-दिसंबर 2023 अवधि में इसके लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। दिशानिर्देशों के अनुसार, मौजूदा भुगतान बैंक जो निवासियों द्वारा नियंत्रित हैं और जिन्होंने पांच साल का परिचालन पूरा कर लिया है,

बिकवाली मोड में है शेयर

फिनो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के शेयर की बात करें तो यह बिकवाली मोड में है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बैंक के शेयर की कीमत में7.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह शेयर शुक्रवार को 192.45 रुपये पर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 209 रुपये से 182.90 रुपये के बीच था। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 339 रुपये है। वहीं, शेयर के 52 हफ्ते का लो 180.50 रुपये है।

कैसे रहे दिसंबर तिमाही के नतीजे

दिसंबर तिमाही में फिनो पेमेंट्स बैंक का नेट प्रॉफिट पिछले वर्ष की तुलना में 1.3 प्रतिशत बढ़कर 22.8 करोड़ से 23.1 करोड़ हो गया। तिमाही आधार पर मुनाफे में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष 21.15 करोड़ था। शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में पिछले वर्ष की तुलना में 34.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 23.7 करोड़ तक पहुंच गई।

वहीं, फिनो पेमेंट्स बैंक के राजस्व में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 461.3 करोड़ तक पहुंच गया। राजस्व वृद्धि का मुख्य कारण इसके डिजिटल भुगतान व्यवसाय में मजबूत वृद्धि थी, जिसने कुल राजस्व में 24 प्रतिशत का योगदान दिया। एबिटा में पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 60.2 करोड़ तक पहुंच गया। दिसंबर तिमाही के दौरान बैंक के ग्राहकों की संख्या में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.34 करोड़ तक पहुंच गई। इस तिमाही में 8.3 लाख नए खाते खोले गए, जिनमें 70,000 से अधिक डिजिटल खाते शामिल हैं।

भारत बायोटेक इंटरनेशनल अब शेयर बाजार में होगी लिस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड 500 मिलियन डॉलर का आईपीओ लाने पर विचार कर रही है। साल 1996 में स्थापित कंपनी भारत बायोटेक को कोविड-19 महामारी के दौरान वैश्विक पहचान मिली थी, जब उसने स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर सुर्खियां बटोरीं। कोवैक्सीन बनाने वाली कंपनी-भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड शेयर बाजार में लिस्ट होने की योजना बना रही है। यह कंपनी 500 मिलियन डॉलर का आईपीओ लाने पर विचार कर रही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इस संबंध में मंथन का दौर शुरू हो चुका है। हालांकि इश्यू का साइज, स्ट्रक्चर और समय-सीमा अभी तय नहीं हुई है। वहीं, कंपनी की ओर से भी कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है और बाजार की परिस्थितियों तथा निवेशकों की रुचि के आधार पर प्रस्ताव में बदलाव संभव है।

कंपनी लिस्टिंग की तैयारी ऐसे समय में कर रही है जब भारतीय प्राथमिक बाजार रिकॉर्ड फंड जुटाने के बाद अब अधिक सतर्क रुख में है। शेयर बाजार की बिकवाली के बीच हेल्थकेयर और फार्मा

क्षेत्र में निवेशकों की लॉन्ग टर्म रुचि बनी हुई है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की सावधानी के कारण बड़ी कंपनियों के लिए मूल्य निर्धारण और सही समय का चयन महत्वपूर्ण हो गया है।

क्या है कंपनी का प्लान

भारत बायोटेक आईपीओ से जुटाई गई रकम का उपयोग कंपनी अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) के विस्तार में करेगी। इसके अलावा, मैन्युफैक्चरिंग कैपिसिटी बढ़ाने और अगली पीढ़ी के टीकों, बायोलॉजिक्स के विकास में भी पैसे खर्च किए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक बाजार में उतरने के साथ भारत बायोटेक को अधिक खुलासे, तिमाही नतीजों की समीक्षा और निवेशकों की कड़ी जांच का सामना करना पड़ सकता है।

आईपीओ मार्केट में आ सकता है उछाल- इस साल आईपीओ के बाजार में 32 प्रतिशत की तेज वृद्धि हो सकती है और कुल इश्यू साइज बढ़कर 2.50 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग (केआईबी) ने

आज भारत-वेस्टइंडीज के बीच मुकाबला

● मौसम बड़े मुकाबले में खलल डाल सकती है ● जो जीता वो सेमीफाइनल में

कोलकाता (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 1 मार्च को कोलकाता में होने वाला मुकाबला सेमीफाइनल की दृष्टि से बेहद अहम है। यह मैच किसी क्वार्टरफाइनल से कम नहीं माना जा रहा। दोनों टीमों के लिए जीत जरूरी है, लेकिन फैंस के मन में एक सवाल है–क्या बारिश इस बड़े मुकाबले में खलल डाल सकती है? भारत बनाम वेस्टइंडीज मैच रविवार, 1 मार्च को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन में खेला जाएगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 6:30 बजे होगा।

सेमीफाइनल के लिए 'करो या मरो' मुकाबला– भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रन से जीत दर्ज कर अपनी उम्मीदें जिंदा रखी हैं। अब टीम इंडिया को शाई होप की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज टीम को हराकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का करना होगा। वहीं, विंडीज भी जीत के साथ टॉप-4 में जगह बना सकती है। ऐसे में यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1 मार्च को कोलकाता में बारिश की संभावना नहीं है। मैच के दौरान आसमान साफ रहने की उम्मीद है।दिन में तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, जबकि शाम को

यह घटकर 25-26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। फिलहाल मौसम पूरी तरह से क्रिकेट के अनुकूल नजर आ रहा है और फैंस को पूरे 40 ओवर का खेल देखने को मिल सकता है।

अगर बारिश हुई तो क्या होगा?

हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन अगर किसी कारणवश मैच रद्द होता है तो समीकरण बदल जाएंगे। भारत और वेस्टइंडीज दोनों के पास फिलहाल 2-2 अंक हैं। मैच रद्द होने पर दोनों को एक-एक अंक मिलेगा और तीन-तीन अंक हो जाएंगे।ऐसी स्थिति में बेहतर नेट रन रेट के आधार पर वेस्टइंडीज सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है।

धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड का नोटिस

● रेजिडेंशियल प्लॉट पर पैथोलॉजी लैब चलाने का आरोप, 15 दिन में मांगा जवाब

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड ने नोटिस जारी किया है। मामला रांची के हरमू इलाके में स्थित ॥-10 आवासीय प्लॉट से जुड़ा है। बोर्ड का आरोप है कि यह प्लॉट केवल आवासीय उद्देश्य से आवंटित किया गया था, लेकिन वर्तमान में वहां कथित तौर पर एक पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह आवंटन की शर्तों का उल्लंघन है। नोटिस में धोनी से इस

संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट का आवंटन रद्द करने की सिफारिश की जा सकती है। बोर्ड की कार्रवाई तेज, पहले भी शुरू हुई है जांच सूत्रों के अनुसार, हाउसिंग बोर्ड ने हाल के दिनों में ऐसे कई मामलों की समीक्षा शुरू की है, जिनमें आवासीय प्लॉट का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का उल्लंघन किसी के लिए भी स्वीकार्य नहीं है, चाहे वह आम नागरिक हो या कोई चर्चित हस्ती। बोर्ड का उद्देश्य आवंटन की शर्तों को सख्ती से लागू करना है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने धोनी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें झारखंड का गौरव बताया था।

15 दिनों में देना होगा जवाब, जवाब पर कार्रवाई निर्भर– नोटिस में महेंद्र सिंह धोनी को 15 दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया है। उनके स्पष्टीकरण के आधार पर ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।जानकारी के मुताबिक, धोनी फिलहाल हरमू स्थित इस मकान में नहीं रहते हैं। उन्होंने रिंग रोड पर अपना फार्महाउस बना रखा है और रांची प्रवास के दौरान वहीं ठहरते हैं।

अब सबकी नजर उनके जवाब पर टिकी है। यदि हाउसिंग बोर्ड को उनका जवाब संतोषजनक नहीं लगा, तो आवंटन रद्द करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है।

रिंकू सिंह अलीगढ़ से कोलकाता रवाना

● टीम इंडिया से जुड़ेंगे, रिश्तेदारों से बोले- मां का ख्याल रखना, भाई ने पिता की अस्थियां विसर्जित कीं

अलीगढ़ (एजेंसी)। क्रिकेटर रिंकू सिंह शनिवार को अलीगढ़ से कोलकाता के लिए रवाना हो गए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्ट इंडीज के खिलाफ करो या मरो वाले मुकाबले से पहले टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे। इससे पहले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मीडिया को बताया था कि रिंकू शनिवार को टीम में शामिल हो रहे हैं।

दरअसल, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच एक वर्चुअल नॉकआउट है, जिसमें

जीतने वाली टीम ग्रुप-1 से साउथ अफ्रीका के साथ सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी। रिंकू ने अब तक टूर्नामेंट की 5 पारियों में 24 रन बनाए हैं। यह रिंकू का पहला ही वर्ल्ड कप है।

इससे पहले शुक्रवार को रिंकू के पिता खानचंद सिंह का नोएडा के अस्पताल में निधन हो गया था। वे 60 साल के थे। उन्हें फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर था। रिंकू पिता के अंतिम संस्कार के लिए चेन्नई से सीधे अलीगढ़ पहुंच गए थे। रिंकू के बड़े भाई सोनू ?शनिवार सुबह पिता की अस्थियां गंगा में विसर्जित करने राजघाट गए थे। सोनू के वापस लौटने के बाद रिंकू दोपहर 12 बजे अलीगढ़ से दिल्ली के लिए निकले। वहां से शाम 5 बजे फ्लाइट पकड़कर कोलकाता पहुंचेंगे।

जम्मू-कश्मीर 67 साल में पहली बार रणजी चैंपियन बना

● फाइनल मैच ड्रॉ रहा, कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर जीत तय हुई

हुबली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। टीम ने पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीत लिया है। टीम 1959 से इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है और 67 साल बाद पहला खिताब जीता है। इस जीत पर जम्मू एंड कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने टीम को 2 करोड़ की इनामी राशि देने का ऐलान किया है। बेंगलुरु के पास हुवली क्रिकेट ग्राउंड पर 5 दिन मैच में 24 फरवरी को जम्मू एंड कश्मीर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 584 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने कर्नाटक को 293 रन पर ऑल आउट कर दिया था।

दूसरी पारी में जम्मू कश्मीर ने 4 विकेट पर 342 रन बनाए और पारी डिक्लेयर कर दी। पहली पारी में मिली बढ़त की आधार पर जम्मू कश्मीर की टीम को विजेता घोषित किया गया। टीम ने 8 बार की विजेता कर्नाटक को हराया है।

5वें दिन कामरान-साहिल के शतक– जम्मू-कश्मीर ने 5वें और आखिरी दिन 186/4 के स्कोर से खेलना शुरू किया। कामरान इकबाल (160) और साहिल लोत्रा (101) ने नाबाद

शतक लगाया। टीम ने लंच के बाद लंच सेशन के बाद 342/4 को स्कोर पर दूसरी पारी डिक्लेयर कर दी, इसी को साथ मैच ड्रॉ घोषित कर दिया गया। शुक्रवार को मुकाबले के चौथे दिन टीम ने 4 विकेट गंवा दिए। यावर हसन 1, शुभम पुंदीर 4, कप्तान पारस डोगरा 16 और अब्दुल समद 32 रन बनाकर आउट हुए। कर्नाटक से प्रसिद्ध कृष्णा 2 विकेट ले चुके हैं। विजयकुमार वैशाख और श्रेयस गोपाल को 1-1 विकेट मिला।

पहली पारी में शुभम पुंदीर का शतक– गुरुवार को मुकाबले के पहले दिन जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर बैटिंग चुन ली। यावर हसन ने 88, शुभम पुंदीर ने 121, कप्तान पारस डोगरा ने 70, अब्दुल समद ने 61, विकेटकीपर कन्हैया वाधवान ने 70 और साहिल लोत्रा ने 72 रन बनाकर टीम को 584 तक पहुंचा दिया।

जम्मू कश्मीर ने ढाई दिन बैटिंग की और कर्नाटक के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाया। होम टीम के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 विकेट लिए। विद्याधर पाटील, विजयकुमार वैशाख, श्रेयस गोपाल और शिखर शेट्टी ने 1-1 विकेट लिया।

सेमीफाइनल में बंगाल, क्वार्टर फाइनल में एमपी को हराया

ग्रुप स्टेज में जम्मू कश्मीर ने 3 मैच जीते और 3 मुकाबले ड्रॉ खेलकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ग्रुप में टीम को इकलौती हार मुंबई के खिलाफ मिली। क्वार्टर फाइनल में टीम ने इंदौर में होम टीम मध्य प्रदेश को 56 रन के करीबी अंतर से हरा दिया। सेमीफाइनल में फिर बंगाल को 99 पर ऑलआउट किया और 6 विकेट से मुकाबला जीत लिया। अब फाइनल में टीम कर्नाटक को हराने के करीब है।

कर्नाटक 11 साल बाद फाइनल में पहुंचा था– कर्नाटक ने भी ग्रुप-बी में 3 ही मुकाबले जीते और 3 ड्रॉ खेले। टीम को इकलौती हार टेबल टॉपर मध्य प्रदेश के खिलाफ मिली थी। कर्नाटक ने क्वार्टर फाइनल में मुंबई जैसी मजबूत टीम को उन्हीं के होमग्राउंड पर 4 विकेट से हरा दिया। उत्तराखंड के खिलाफ टीम ने पहली पारी में बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल जीत लिया। टीम अब पहली पारी में बढ़त नहीं ले पाने के कारण ही फाइनल हार रही है।

चैंपियंस लीग फुटबॉल- राउंड ऑफ 16 का शेड्यूल

● 15 बार की विजेता रियल मैड्रिड से भिड़ेगी मैनचेस्टर सिटी ● लिवरपूल-आर्सनल के सामने भी मजबूत चुनौती

मैनचेस्टर सिटी (एजेंसी)। रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच अब तक 15 मैच खेले गए। दोनों को 5-5 में जीत मिली, जबकि 5 मुकाबले ड्रॉ भी रहे।

यूरोप के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट ईएफए चैंपियंस लीग (सीएल) के राउंड-ऑफ-16 के ड्रॉ निकल चुके हैं। इंग्लैंड की मैनचेस्टर सिटी और रिकॉर्ड 15 बार की विजेता रियल मैड्रिड एक बार फिर आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले को टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच भी माना जा रहा है, क्योंकि दोनों ही टीमें टाइटल जीतने की दावेदार हैं।

कोच पेप ग्वार्डिओला की मैनचेस्टर सिटी और कार्लो एंसेलोटी की रियल मैड्रिड के बीच पिछले कुछ सालों में एक नई राइवलरी पैदा हो गई है। पिछले सीजन भी दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए थे। फुटबॉल फैंस भी सोशल मीडिया पर इस मैच को लेकर काफी उत्साहित हैं। सिटी के पास अर्लिंग हालैंड जैसा स्ट्राइकर है, वहीं मैड्रिड के पास विनिशियस जूनियर और जूड बेलिंगम जैसे स्टार प्लेयर्स हैं।

इंग्लैंड ने लगातार तीसरा सुपर-8 मैच जीता

न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, कीवियों की उम्मीदें पाकिस्तान पर टिकीं

कोलंबो (एजेंसी)। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 9वें सुपर-8 मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया है। इस जीत ने पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखी हैं। शुक्रवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। कीवियों ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम ने 19.3 ओवर में 6 विकेट पर टारगेट हासिल कर लिया।

विल जैक्स प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 18 बॉल पर नाबाद 32 रन की पारी खेली।

जैक्स-अहमद की साझेदारी ने अंग्रेजों को जिताया– इंग्लैंड की ओर से विल जैक्स ने 18 बॉल पर नाबाद 32 रन बनाए। वहीं, रेहान अहमद ने 7 बॉल पर दो छक्के के सहारे नाबाद 19 रन बना डाले। दोनों ने 7वें विकेट के लिए 16 बॉल पर नाबाद 44 रन की साझेदारी कर डाली। यही साझेदारी गेम चेंजर साबित हुई।

फिटनेस की नई रेस 'हायरॉक्स' भारत में वायरल

● पिछले साल मई में हुई शुरुआत, अब 11-12 अप्रैल को बेंगलुरु में होगी, 29 देशों में है पॉपुलर

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। हायरॉक्स में प्रतिभागी 1 किलोमीटर दौड़ते हैं और उसके बाद एक फंक्शनल एक्सरसाइज का सेट पूरा करते हैं, जैसे स्लेड पुश, रोइंग, बर्पी ब्रॉड जंप या वॉल बॉल। भारत में फिटनेस अब जिम या मैराथन तक सीमित नहीं रही। अब चर्चा है हायरॉक्स की। यह दुनिया की सबसे बड़ी इनडोर फिटनेस रेस है जो रनिंग और फंक्शनल वर्कआउट को एक फॉर्मेट में जोड़ती है। यह एक हायब्रिड फिटनेस का रूप है। पिछले साल मई में भारत में हायरॉक्स की शुरुआत हुई। अब 11, 12 अप्रैल को यह रेस बेंगलुरु में होनी है।

हायरॉक्स को जानिए– इसमें प्रतिभागी 1 किलोमीटर दौड़ते हैं और उसके बाद एक फंक्शनल एक्सरसाइज का सेट पूरा करते हैं, जैसे स्लेड पुश, रोइंग, बर्पी ब्रॉड जंप या वॉल बॉल। यह कुल आठ बार दोहराया जाता है। आखिर में देखते हैं कि किसने कितनी देर में इसे पूरा किया। यह एक हाइब्रिड फिटनेस का रूप है, खास बात है कि यह किसी स्पोर्ट्स

कॉम्प्लेक्स में नहीं बल्कि बड़े इंडोर सेंटर्स में आयोजित होती है।

स्टार्टअप फाउंडर्स से लेकर क्रिकेटर्स तक शामिल– शुगर कॉस्मेटिक की फाउंडर विनीता सिंह, ने भारत में हुई तीनों हायरॉक्स रेस में हिस्सा लिया है, इसे एक ऐसे एग्जाम की तरह मानती हैं जिसके लिए वे तैयारी भी करती हैं। जेरोधा के फाउंडर नितिन कामत ने मुंबई में आयोजित हायरॉक्स में हिस्सा लिया था। दिल्ली में हुए हायरॉक्स में भारतीय क्रिकेटर्स रवि बिश्नोई और रियान पराग जैसे चेहरे भी शामिल हुए थे।

भारत में एक साल में 5 गुना से ज्यादा एंट्री

पिछले साल मई में भारत में हायरॉक्स की शुरुआत हुई। मुंबई में हुए पहले हायरॉक्स में 1650 लोगों ने हिस्सा लिया था। अब 11-12 अप्रैल को बेंगलुरु में हायरॉक्स होनी है, इसके लिए 8500 लोग पहले ही जुड़ चुके हैं, यानी करीब एक साल में एंट्री लगभग 5 गुना से ज्यादा बढ़ गई हैं। बेंगलुरु के बाद जुलाई और सितंबर में हायरॉक्स इवेंट दिल्ली-मुंबई में भी होना है।

यह एक फुल-डे इवेंट होता है, जो सुबह 7:30 बजे से रात 10 बजे तक चलता है। एंट्री फीस आमतौर पर 3,000 से 10,000 रुपए के बीच होती है।

विल जैक्स ने शेन वॉटसन की बराबरी की

सबसे ज्यादा 4 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते, बटलर 10वीं बार शून्य पर आउट

कोलंबो (एजेंसी)। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने 7 विकेट खोकर 159 रन बनाए। इंग्लैंड ने 19.3 ओवर में 6 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जीत के हीरो रहे विल जैक्स, जिन्होंने 18 गेंद पर नाबाद 32 रन की तेज पारी खेली और 2 विकेट भी लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। यह उनके वर्ल्ड कप करियर का चौथा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड रहा, इसी के साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन की बराबरी कर ली। दूसरी ओर जोस बटलर टी-20 इंटरनेशनल में 10वीं बार शून्य पर आउट हुए।

विल जैक्स ने चौथा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता– इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपना चौथा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीत लिया। इसी के साथ उन्होंने एक ही एडिशन में सबसे ज्यादा अवॉर्ड जीतने के मामले में शेन वॉटसन की बराबरी कर ली, जिन्होंने भी

2012 में 4 अवॉर्ड हासिल किए थे। तब वॉटसन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने थे। वहीं, 2022 में सिकंदर रजा ने तीन बार यह सम्मान पाया था।

स्पिनर्स ने 31 ओवर्स फेंके– टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में कोलंबो का आर प्रेमदासा स्टेडियम स्पिनर्स के लिए सबसे मददगार साबित हुआ। न्यूजीलैंड-इंग्लैंड मैच में 31 ओवर स्पिनर्स ने फेंके। यह टूर्नामेंट इतिहास के एक मैच में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा रहे। इससे पहले इसी वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले में भी दोनों टीमों के स्पिनर्स ने मिलकर 31 ओवर डाले थे।

बटलर इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट– जोस बटलर शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खाता भी नहीं खोल सके। वे इंग्लैंड के लिए टी-20 में सबसे ज्यादा 10 बार शून्य पर आउट हुए हैं। उनके बाद ल्यूक राइट और मोईन अली 9-9 बार डक हुए, जबकि जेसन रॉय 7 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

न्यूजीलैंड के 2 बल्लेबाज स्टंपिंग आउट हुए

न्यूजीलैंड के 2 बल्लेबाज टिम साइफर्ट और मार्क चापमन स्टंपिंग आउट हुए। 7वें ओवर में आदिल रशीद ने टिम साइफर्ट को धीमी गेंद डाली। साइफर्ट बड़ा शॉट खेलने के लिए क्रीज से बाहर निकले, लेकिन गेंद मिस कर गए, इतने में विकेटकीपर जोस बटलर ने स्टंपिंग कर दी। साइफर्ट 35 रन बनाकर आउट हुए।15वें ओवर में आदिल रशीद ने मार्क चापमन के खिलाफ भी वही रणनीति अपनाई। चापमन लॉन्ग-ऑन के ऊपर शॉट खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद की रफ्तार कम थी। शॉट में जल्दबाजी हुई, बैलेंस बिगड़ा और बटलर ने आसान स्टंपिंग कर दी। चापमन 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक पंकज सिंह भदौरिया द्वारा श्री बालाली प्रिंटर्स प्लाट नंबर 137, 138, 139 सेक्टर 01 स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविन्दपुरा भोपाल, मप्र से मुद्रित कर 432 सेक्टर बी सर्वधर्म कालोनी, कोलार दामखेड़ा हुजूर भोपाल 462042 मप्र से प्रकाशित। संपादक- पंकज सिंह भदौरिया, स्थानीय संपादक-अच्छेलाल वर्मा। (सभी विवाद भोपाल न्यायालय में मान्य होंगे।)

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेश में राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत किशोरी बालिकाओं का टीकाकरण कर एचपीवी टीकाकरण अभियान के जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया एवं मिशन मधुहारी अंतर्गत 5 बालिकाओं को टाइप-1 डायबिटीज किट वितरित किया।

केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बोत्सवाना से लाए गए चीतों को कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटाइन बाड़े में छोड़ा।

फरीदाबाद के बाटा आरओबी की जर्जर सड़क पर काम अब भी शुरू नहीं, पीडब्ल्यूडी के आश्वासन से लोग परेशान

बल्लभगढ़ (फरीदाबाद), एजेंसी। एक सप्ताह और बीत गया है। औद्योगिक नगरी के प्रवेश द्वार बाटा रेलवे ओवरब्रिज पर सड़क बनाने का काम शुरू नहीं हो पाया। लोक निर्माण विभाग(बीएंडआर) पहले की तरह से आश्वासन के बाद भी काम शुरू नहीं किया।

दो महीने से विभाग लगातार काम शुरू करने की तारीख दे रहा है, किंतु तारीख पर तारीख के बाद नहीं शुरू हो रहा है तो निर्माण कार्य, जिसकी नितांत आवश्यकता है।

अब तो यहां से निकलने वाले हजारों वाहन चालकों का विभागीय अधिकारियों पर से विश्वास उठता जा रहा है। यह हाल तब है जब नवंबर-2025 में 70 लाख का टेंडर छोड़ा जा चुका है। बाटा आरओबी को पीडब्ल्यूडी ने 2000 में बनवाया था। इसके बाद विभाग ने 2008 में एक बार सड़क बनाई थी। तब से विभाग ने सड़क के गड्ढों पर पैचवर्क तो किया, लेकिन कभी पूरी तरह से सड़क बनी हो, ऐसा दिन देखने को नहीं मिला। तीन विधानसभा क्षेत्रों बड़खल, बल्लभगढ़ व एनआइटी को

जोड़ने वाला यह पुल औद्योगिक नगरी एनआइटी का प्रवेश द्वार है। और दिलचस्प बात यह है कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों के विधायक भाजपा से हैं, उसके बावजूद महत्वपूर्ण सड़क नहीं बन पा रही। सड़क पर गहरे व चौड़े गड्ढे हो गए हैं। दिन में तो बचते-बचाते इधर उधर से वाहन चालक निकल जाते हैं, पर स्ट्रीट लाइट न होने की वजह से रात के अंधेरे में वाहनों को गड्ढों से निकलने में दिक्कत होती है।

बाटा आरओबी से आते-जाते हैं इन क्षेत्रों के लोग: एनआइटी नंबर-एक, दो इंडस्ट्रियल एरिया, सारन, जवाहर कालोनी, डबुआ कालोनी, डबुआ गांव, पर्वतीय कालोनी, प्रेस कालोनी, सेक्टर सात, आठ, नौ, 10 और 11 के लोग बाटा आरओबी से आवागमन करते हैं। बाटा आरओबी की सड़क में बनने गड्ढों से हजारों वाहन चालक हो रहे परेशान। बाटा मोड़ से बाटा चौक तक पुल से उतरते ही हार्डवेयर चौक से बायीं तरफ रोड औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर-24 को जाती है, दायीं तरफ और आगे घना रिहायशी क्षेत्र के साथ-साथ जिले की सबसे बड़ी डबुआ सब्जी मंडी, आगे भारतीय खाद्य निगम का भंडारण गृह व उससे आगे रास्ता सैनिक कालोनी होते हुए गुरुग्राम को जाता है। इस नाते रोज़ाना 50 हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहन निकलते हैं। सड़क में बने गड्ढों की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। पहले ग्रेप के कारण निर्माण न होने, कभी वर्षा व कोहरा होने के चलते काम नहीं हो सकता की बात होती रही। अब इस माह जब मौसम पूरी तरह से साफ हो गया, तो बताया गया कि एक सप्ताह बाद काम शुरू कर देंगे, पर एक सप्ताह और बीत चुका है, काम शुरू नहीं हुआ।

होली पर घर जाने की होड़, फरीदाबाद में उमड़ी कामगारों का भीड़; हरियाणा रोडवेज चलाएगा अतिरिक्त बसें

बल्लभगढ़ एजेंसी। होली चार मार्च को है। इसे लेकर औद्योगिक नगरी के कामगारों, जो मूल रूप से सीमावर्ती जिलों के निवासी हैं, ने अपने घरों के लिए जाना शुरू कर दिया है।

किसी को अपने घर जाने में परेशानी का सामना न करना पड़े इसे ध्यान में रखते हुए हरियाणा रोडवेज ने राजा नाहर सिंह बस अड्डा बल्लभगढ़ से अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला लिया है।

औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां पर छोटी-बड़ी 30 हजार फैक्ट्री व वर्कशाप चल रही हैं। इनमें अलीगढ़, मथुरा, बुलंदशहर, आगरा, भरतपुर, अलवर, नूहं, पलवल, गुरुग्राम, सोनीपत जिले लाखों कामगार हैं। यह कामगार अपने परिवार या फिर अकेले यहां पर किराये पर रहते हैं। यह लोग दीवाली और होली के मौके पर अक्सर अपने घरों को जाते हैं। इसकी वजह से बल्लभगढ़ बस अड्डे पर जाने वालों की हजारों की संख्या में रोजाना भीड़ लगी रहती है।

लटक कर सफर करने को होते हैं मजबूर : कई बार यह लोग डग्गामार बसों और कैब व अवैध रूप से चल रही बस, कारों में बैठ कर जाते हैं। कई बार लोग बैठने की जगह न मिलने के कारण खिड़कियों पर लटक कर या बसों की छतों पर बैठ कर जाते हैं। इन लोगों की परेशानी को देखते हुए हरियाणा रोडवेज ने राजा नाहर सिंह बस अड्डे इन क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला लिया है।